Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 186
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,04 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

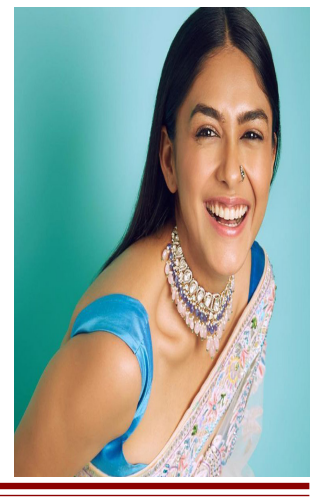

2 शुक्लागंज में सुबह नौ बजे छाया गहरा अंधेरा आंधी- 4 क्या खड़े होकर पानी पीने से खराब हो जाते हैं 7 मृणाल ठाकुर ने प्यार को बताया खूबसूरत

एनकाउंटर पर सीएम योगी का जवाबः

हमने भी पुलिस को पिस्तौल दी है...अगर मारे न तो क्या गोली खाएं?

एक वक्त यूपी के अंदर लोगों के मन में अविश्वास था

2017 में पीएम मोदी ने मुझे जिम्मेदारी सौंपी

लखनऊ। लखनऊ में यूपी फार्मा कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एनकाउंटर पर सवाल उठाने वालों को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कानून से खिलवाड़ करने वालों पर सख्ती जरूरी है। यूपी में निवेश बढ़ा है और कानून-व्यवस्था अब मजबूत हुई है।

लखनऊ में यूपी फार्मा कॉन्क्लेव 1.0 का उद्घाटन कार्यक्रम है। इसमें सीएम योगी, उनके साथ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पहुंचे। इस दौरान सरकार ने 11 कंपनियों के साथ टङ्क्षव किया। इसके तहत मेडिकल डिवाइस और नई दवाओं पर मिलकर शोध किया जाएगा। सीएम योगी ने संबोधित करते हुए कहा, अगर अपना व्यक्ति भी गलत करेगा तो उसके लिए भी वही कानून लागू होगा, जो माफिया और अपराधी के लिए है। बहुत बार लोग टिप्पणी करते हैं कि पुलिस ने गोली क्यों मार दी। अगर पुलिस गोली न मारे तो क्या खाए? एक वक्त यूपी के अंदर लोगों के मन में अविश्वास था सीएम योगी ने कहा, अगर कानून को कोई आंख दिखाता है तो उसको कानून अपने तरीके से अपने दायरे में लाकर अपने हिसाब से समझाता है। कानून के साथ किसी को खिलवाड़ करने की छूट नहीं है। एक वक्त यूपी के अंदर लोगों के मन में अविश्वास था, असुरक्षा थी, क्योंकि अराजकता थी। आज वो दूर की कौड़ी हो चुकी है। यूपी को अब तक 50 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं सीएम योगी ने कहा, यूपी को अब तक 50 लाख करोड़ के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बेरोजगारी दर में यूपी सबसे न्यूनतम स्तर पर है। आज हमारे पास लैंड बैंक भी है। जब सभी लोग प्रयास करेंगे तो परिणाम आएंगे। हमने ललितपुर में प्रदेश के पहले फार्मा पार्क के लिए लैंड अधिग्रहण की। पार्क के विकास के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश में सेंटर लेवल की लैबोरेट्री पहले से मौजूद है। 2017 में पीएम मोदी ने मुझे जिम्मेदारी सौंपी सीएम योगी ने कहा, जब हमने देखा तो तय किया कि जीरो टॉलरेंस। अगर अपना व्यक्ति भी गलत करेगा तो उस पर एक्शन होगा। अपना पराया कुछ नहीं होगा। जब हमने एक्शन शुरू किया, प्रयास किया कि कानून के दायरे में रहकर करें, लेकिन कई बार अगर कोई कानून से डर नहीं रहा था, तो ऐसे व्यक्ति को कानून के दायरे में लाकर कानून की भाषा समझाना तात्कालिक परिस्थिति हो जाती है। 24 घंटे में खाली हुई 65 हजार एकड़ जमीन सीएम योगी कहा, हमने भू-माफिया टास्क फोर्स गठित की और मैंने कहा, 24 घंटे का समय दे रहा हूं। उत्तर प्रदेश के अंदर जिस भी सरकारी भूमि पर जिस भू माफिया ने कब्जा किया है, उसको तत्काल छोड़ दे। 24 घंटे के बाद जब हम कारवाई करेंगे तो उसको जमीन तो छोड़नी ही पड़ेगी, लेकिन साथ-साथ उसने जो कमाई की होगी, उसकी ब्याज सहित वसूली करेंगे। आप आश्चर्य करेंगे कि हमारी 65000 एकड़ लैंड खाली हुई थी। यह हमारा लैंड बैंक बना था। उस लैंड बैंक में हमने निवेश भी करवाए।

पीएम मोदी की नसीहत-एनडीए नेताओं को अनेक चुनावों में जीत पर संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेताओं से मंगलवार को कहा कि गठबंधन अपनी जन-केंद्रित नीतियों एवं कड़ी मेहनत की वजह से विभिन्न चुनाव जीत रहा है और उसके नेताओं को चुनावी विजय को लेकर आत्मसंतुष्टि की भावना से बचना चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राजग संसदीय दल की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों के सांसदों से कहा कि उन्हें स्थानीय निकाय समेत विभिन्न चुनावों में अपनी जीत से संतुष्ट होकर नहीं बैठ जाना चाहिए, बल्कि अच्छा काम करते रहना चाहिए। राजग नेताओं ने 39 देशों के साथ व्यापार समझौते सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान किया। भारत और अमेरिका के व्यापार समझौते पर सहमत होने का जिक्र करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि पूरे देश में इसे लेकर उत्साह का माहौल है। इसके तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क को मौजूदा 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर देगा। उन्होंने कहा, सांसदों में इस बात को लेकर उत्साह है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ये व्यापार समझौते पूरे हुए हैं। कुल 39 देशों के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह ऐतिहासिक है। ये सभी 39 देश विकसित देश हैं...यह ऐतिहासिक है। देश में बहुत अच्छा माहौल रहा है। शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों को समझाया कि सरकार भारत के पक्ष में काम करती है, चाहे वह व्यापार समझौता हो या बजट।

सार संक्षेप

चावल निर्यातकों ने अमेरिका के शुल्क में कटौती का स्वागत किया

नई दिल्ली। भारत के चावल निर्यातकों ने मंगलवार को वाशिंगटन के आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने के फैसले का स्वागत किया। निर्यातकों का कहना है कि इस कटौती से प्रमुख बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मकता और मांग को बढ़ावा मिलेगा, विशेष रूप से ऐसे समय में जब देश रिकॉर्ड उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। ईंडियन राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (आईआरईएफ) ने इस कदम को सकारात्मक बताया क्योंकि भारत फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में 14.9 करोड़ टन के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद कर रहा है, जहां घरेलू उपलब्धता और बुनियादी स्थितियां काफी मजबूत हैं। फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारतीय कृषि उत्पादों की अपरिहार्य स्थिति बनी हुई है और हाल के निर्यात रुझानों से पता चलता है कि अत्यधिक उच्च शुल्क के बावजूद मांग में लचीलापन बना हुआ है। आईआरईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने कहा कि व्यापार जगत रूसी तेल की खरीद के संबंध में लगाए गए अतिरिक्त जुमार्ने पर भी छूट की उम्मीद कर रहा है।

हरदोई,लखनऊ राजमार्ग पर कंटेनर से भिड़ी बस, चालक की मौत

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में हरदोईहलखनऊ राजमार्ग पर कटिया मऊ गांव के पास मंगलवार को एक तेज रफ्तार निजी बस ने एक कंटेनर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसके कारण बस चालक की मौत हो गयी जबकि नौ यात्री घायल हो गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर राजमार्ग किनारे खाई में जा गिरी, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को जिले के कोतवाली कछौना क्षेत्र के अंतर्गत हरदोईहलखनऊ राजमार्ग के पास हरदोई से लखनऊ जा रही बस तेज गति में थी। इसी दौरान मल्हपुर रेलवे क्रॉसिंग की ओर से आ रहा एक कंटेनर जैसे ही लखनऊ की दिशा में मुड़ा, बस चालक वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा और यह दुर्घटना हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) सुबोध गौतम ने बताया कि हादसे के वक्त बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर दुर्घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों और राहगीरों ने पुलिस की मदद से तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को बस से बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से फिर बिगड़ेगा मौसम

पहाड़ों पर बर्फबारी, दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा

नई दिल्ली। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में कई जगहों पर घना कोहरा छाए रहने से बड़े स्तर पर यातायात प्रभावित हुआ और ट्रेनों एवं उड़ानों में देरी हुई। दिल्ली हवाई अड्डे ने यात्रियों को उड़ान के समय और जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करने की सलाह दी। हवाई अड्डे ने बताया कि कोहरे की स्थिति के कारण सीएटी-3 स्थितियों में बदलाव के कारण देरी हो सकती है। खास बात यह है कि सीएटी-3 प्रणाली बहुत कम या लगभग शून्य दृश्यता में भी विमानों को उतरने की अनुमति देता है। गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और बहादुरगढ़ जैसे एनसीआर शहरों की बात करें तो कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से सुबह के समय काम पर जाने वाले लोगों को परेशानी हुई। इस बीच, मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो मौसम के औसत से थोड़ा ज्यादा था। शांत हवाओं के बावजूद लोगों को ठंड महसूस कर रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान के पूवार्नुमान के अनुसार, कम तापमान और मौसम की स्थितियों के कारण वायु गुणवत्ता सूचकांक थोड़ा बढ़ सकता है, हालांकि यह अभी खराब श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक सुबह 10 बजे 260 के सूचकांक के साथ खराब श्रेणी में बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रात में धुंध और हल्का कोहरा छाया रह सकता है, जबकि दिन के दौरान अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए भी इसी तरह के मौसम की स्थिति का पूवार्नुमान जताया है। इस बीच आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कई जगहों पर हल्का कोहरा रहेगा, जबकि शहर में सुबह के समय कुछ जगहों पर घना कोहरा भी छाने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने अचानक करवट ले ली है। मंगलवार तड़के कानपुर, औरैया, जालौन समेत करीब 10 जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। उन्नाव, चित्रकूट और इटावा में करीब आधे घंटे तक ओलावृष्टि हुई, जिससे सड़कों पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बेमौसम बारिश और ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलें गिर गईं और किसानों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों में बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। अचानक बदले मौसम के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लोग घरों में दुबके रहे, जबकि जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोगों को छाता और रेनकोट का सहारा लेना पड़ा। वहीं, लखनऊ, अलीगढ़, मैनपुरी, बुलंदशहर समेत लगभग 20 जिलों में घना कोहरा छाया रहा।

भारत-अमेरिका के बीच ऐतिहासिक व्यापार समझौता

ट्रंप ने घटाया टैरिफ, मोदी बोले- इस सदी की सबसे बड़ी घटना

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से चली आ रही व्यापारिक तनाव के बाद एक बड़ा समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुद इस डील की घोषणा की, जिसमें अमेरिका ने भारतीय सामानों पर लगने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ को 25: से घटाकर 18: कर दिया है। यह कदम भारत के निर्यातकों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जिससे मेड इन ईंडिया उत्पादों को अमेरिकी बाजार में मजबूत बढ़त मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह दोनों देशों के बीच दोस्ती और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह घोषणा भारत के 140 करोड़ लोगों के लिए खुशी की बात है। मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी को जोरदार सम्मान दिया गया। सांसदों ने उन्हें खड़े होकर तालियां बजाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, दुनिया के संतुलन में भारत की भूमिका अब बहुत अहम हो गई है। भारत अब वैश्विक मंच के केंद्र में है और यही इस सदी की सबसे बड़ी घटना है। दुनिया में भारत की पूछ बढ़ रही है। पीएम मोदी ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जब भारत पर टैरिफ लगे थे, तो कुछ लोग टूट पड़े थे और अलग-अलग सवाल खड़े करने लगे थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। उन्होंने एनडीए सांसदों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशें। सांसदों को निर्देश देते हुए कहा, मैन्युफैक्चरर्स के साथ बैठकें करें, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने का माहौल बनाएं और क्वालिटी पर खास फोकस रखें। हमें पत्थर पर लकीर खींचने की पुरानी आदत नहीं छोड़नी चाहिए।

हंगामे के बाद लोकसभा की कार्यवाही स्थगित

आसन की ओर कागज उछालने के मामले में कांग्रेस समेत विपक्ष के आठ सदस्य निलंबित

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को आसन के समीप कागज उछालकर सदन की अवमानना करने के मामले में कांग्रेस के सात सदस्यों और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक सांसद को वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर जारी चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण का उल्लेख करने का प्रयास करने के मुद्दे पर बैठक तीन बार स्थगित होने के बाद अपराह्न तीन बजे शुरू हुई तो पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने आसन की अवज्ञा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, गुरदीप सिंह औजला, हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, प्रशांत पडोले, किरण कुमार रेड्डी और मणिकम टैगोर तथा माकपा सांसद एस वेंकटेशन के नाम लिए। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने आठों सदस्यों का नाम लेते हुए सदन में प्रस्ताव रखा कि सदन की अवमानना करने और महासचिव तथा लोकसभा अधिकारियों की मेजों के पास आकर कागज उछालकर आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उक्त सभी सदस्यों को नियम 374 (2) के तहत संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए। सदन ने ध्वनिमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसके बाद बैठक दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्यों ने सदन में राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने के मुद्दे पर नारेबाजी करते हुए आसन के समीप कागज उछालकर फेंके थे। राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में नरवणे की पुस्तक पर आधारित लेख को सत्यापित करते हुए सदन के पटल पर रखा। उन्होंने फिर से नरवणे के संस्मरण और चीन के साथ टकराव का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण मुद्दा है।

भाजपा जवाब दे, किसके दबाव में फिर किसानों पर वार किया : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत-अमेरिका व्यापार सौदे को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए मंगलवार को कहा कि अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजारों को खोलना देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी के साथ विश्वासघात है, जो खेती पर निर्भर है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने फिर किया किसानों पर वार, भाजपा सरकार दे जवाब, क्या है दबाव। उन्होंने आरोप लगाया, भारत के बाजार को अमेरिकी कृषि उत्पादों व खाद्यान्नों के लिए खोल देना, हमारे देश की खेती-किसानी पर रोजी-बसर करने वाली 70 प्रतिशत आबादी के साथ धोखा है। सत्तारूढ़ पार्टी पर निशाना साधते हुए यादव ने दावा किया, भाजपाई और उनके संगी-साथी आजादी से पहले भी विदेशियों के एजेंट थे, आज भी हैं। आत्मनिर्भरता और स्वदेशी की बात करने वाले भाजपाई और उनके संगी-साथी जनता के बीच जाकर बताएं कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था के साथ धोखा करने के लिए कितना कमीशन खाया है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताते हुए कहा, इससे केवल किसान ही नहीं, निम्न मध्यवर्ग और मध्यम वर्ग भी बुरी तरह प्रभावित होगा क्योंकि इससे खाद्यान्न और कृषि उत्पादों की मुनाफाखोरी व बिचौलियों की एक नयी जमात पैदा हो जाएगी, जिसकी वजह से खाने-पीने की सब चीजें और भी महंगी हो जाएंगी। साथ ही भाजपा इन कंपनियों से चंदा वसूली भी करेगी, जिससे खाद्य व कृषि उत्पाद और भी ज्यादा महंगे हो जाएंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि इससे धीरे-धीरे हमारे किसानों की खेती बाड़ी और आय कम हो जाएगी और वे मजबूर होकर अपनी जमीन अमीरों व कॉरपोरेट को बेचने पर मजबूर हो जाएंगे। जमीनों पर कब्जा करना ही भाजपाई और उनके संगी-साथियों का आखिरी मकसद है। प्रस्तावित बीज विधेयक की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय खेती के लिए घातक सीड बिल उसी कृषि और किसान विरोधी भाजपा सरकार की दिमागी उपज है जो भू अधिग्रहण और काले-कानून लाई थी।

मोदी ने देश बेचा,अडाणी पर केस और एपस्टीन फाइल्स से पीएम डरे हुए : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी ट्रेड डील में देश बेच दिया है। आपकी मेहनत को खून-पसीने को बेच दिया है, क्योंकि वे कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है, यह असल में मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं। राहुल ने आरोप लगाया कि एपस्टीन फाइल्स में और भी बहुत कुछ है जो अमेरिका ने अभी तक रिलीज नहीं किया है। उसकी वजह से भी पीएम पर प्रेशर है। ये दो प्रेशर पॉइंट्स हैं। देश को यह समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा कि इतिहास में पहली बार राष्ट्रपति के भाषण पर नेता विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया है। जनता को इस बारे में सोचने की जरूरत है। दरअसल, ट्रम्प ने सोमवार को भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 50: टैरिफ को घटाकर 18: कर दिया है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि भारत अब रूस से तेल खरीदना अब बंद कर देगा। कांग्रेस ने अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- वॉशिंगटन में मोगैम्बो खुश है।

राज्यसभा में मोदी-ट्रंप की बातचीत पर कांग्रेस का प्रहार

विपक्ष के व्यवहार को नड्डा ने बताया गैर जिम्मेदाराना

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को कांग्रेस ने भारत और अमेरिका के बीच समझौता होने की बात सोशल मीडिया में आने और इस बारे में संसद को अवगत नहीं कराये जाने का मुद्दा उठाया जबकि सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर बयान देगी तथा विपक्ष को गैर जिम्मेदाराना व्यवहार नहीं करना चाहिए। उच्च सदन में आज प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश सहित पार्टी के कई सदस्यों ने अपने स्थानों पर खड़े होकर आसन का ध्यान भारत एवं अमेरिका के बीच हुए समझौते की ओर दिलाते हुए कहा, यह क्या हो रहा है, हमें इसकी जानकारी सोशल मीडिया से मिल रही है...ये देश के साथ धोखा हो रहा है। इस पर सदन के नेता नड्डा ने आसन की अनुमति से कहा कि कल रात अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देर रात एक ट्वीट कर कहा कि उन्होंने भारत पर लगाये जा रहे शुल्क (टैरिफ) को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अवगत कराया और उन्होंने प्रधानमंत्री को एक सच्चा दोस्त भी बताया। सदन के नेता ने कहा कि इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक ट्वीट कर भारत की ओर से शुक्रिया कहा। नड्डा ने कहा कि उन्होंने उस ट्वीट में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर विस्तार से चर्चा की है। नड्डा ने कहा, मुझे विपक्ष की हताशा स्पष्ट रूप से दिख रही है क्योंकि अच्छाई में भी बुराई देखने का उनका एक तरीका, एक नजरिया बन गया है। उन्होंने कहा कि वह सरकार की तरफ से आश्वासन दे रहे हैं कि इस व्यापार समझौते और उसके एक एक बारीक विवरण के बारे में सदन में एक बयान दिया जाएगा तथा संबंधित मंत्री उसके बारे में चर्चा करेंगे। नड्डा ने कहा कि सरकार जल्द ही अपनी तरफ से बयान देने और इस के विवरणों पर चर्चा करने को तैयार है। उन्होंने अपने स्थान पर खड़े होकर शोरगुल कर रहे विपक्षी सदस्यों की ओर इशारा करते हुए कहा, इनका यह व्यवहार बहुत ही गैर जिम्मेदाराना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एव ईंडियाश गठबंधन का रवैया गैर जिम्मेदाराना है। नड्डा ने कहा कि ट्रंप ने कल देर रात जो ट्वीट किया है उससे वे सभी बातें गलत साबित हुई हैं जो विपक्ष कहता आ रहा था। इसके बाद कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सदस्य सदन से वाक आउट कर गये। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और ईंडिया गठबंधन का व्यवहार निंदनीय है और इससे लगता है कि न तो वह देश के विकास में रुचि रखते हैं और न ही उनकी रुचि इस बात में है कि देश का व्यापार आगे बढ़े। सदन के नेता ने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य हर बात में राजनीति करने का है जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण अभी देखने को मिला। उन्होंने कहा, पहले ये (विपक्ष) यह कहते रहे कि ट्रंप का जवाब दीजिए।

महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे ने गोरखपुर कैन्ट-पनियहवा खंड का संरक्षा तथा गोरखपुर कैन्ट-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना का निरीक्षण किया

गोरखपुर : महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी श्री आशीष जैन के साथ 03 फरवरी,2026 को गोरखपुर कैंट-पनियहवा रेल खंड का संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने गोरखपुर कैन्ट-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण परियोजना के प्रथम चरण में गोरखपुर कैन्ट-कप्तानगंज खंड के दोहरीकरण कार्य एवं मध्यवर्ती स्टेशनों पर दोहरीकरण के अनुरूप सुधार एवं विकास कार्यों तथा संरक्षा का गहन निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने अपने निरीक्षण का आरंभ गोरखपुर कैंट-उनौला स्टेशनों के मध्य किमी सं-386/11-10 पर स्थित ब्रिज संख्या-02 के गहन निरीक्षण के साथ किया। उन्होंने ब्रिज सं-2 के कांक्रीट स्लैब की गुणवत्ता और फाउन्डेशन की जाँच की । इसके पश्चात उन्होंने पिपराइच-

बोदरवार स्टेशनों के मध्य किमी सं-367/10-9 पर स्थित नान-इंटरलॉक समपार संख्या-11 सी का निरीक्षण कर संरक्षा के सभी मानदंडों को परखा। महाप्रबंधक ने बोदरवार-कप्तानगंज स्टेशनों के मध्य किमी सं-362 पर निमार्णाधीन एल.एच.एस. का निरीक्षण किया और आर सी सी बॉक्स की गुणवत्ता परखी। इसके बाद उन्होंने कप्तानगंज जं. स्टेशन यार्ड में किमी सं-357/22-20 पर स्थित इंटरलॉक समपार संख्या 16सी का गहन निरीक्षण किया एवं गेटमैन शुभेन्द्र नाथ मिश्रा का संरक्षा ज्ञान परखा। महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे कप्तानगंज जं. स्टेशन का निरीक्षण कर यहाँ पर चल रहे

विकास कार्यों के प्रगति की समीक्षा की तथा सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने का निर्देश दिया । यहाँ उन्होंने रेलवे सुरक्षा बल बैरक का निरीक्षण कर रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को उपलब्ध कराई जा रही सुख-सुविधाओं यथा-विश्राम हेतु बेड्स, भोजनालय, प्रसाधन आदि का जायजा लेने के साथ ही कप्तानगंज जं0 स्टेशन के स्टेशन पैनल एवं संरक्षा उपकरणों का निरीक्षण कर संरक्षित परिचालनिक सुविधाओं का संज्ञान लिया। महाप्रबंधक ने घुघली रेलवे स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप नये यार्ड प्लान के अंतर्गत किये जा रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया । निरीक्षण के अंत में महाप्रबंधक ने पनियहवा स्टेशन पर दोहरीकरण के अनुरूप निर्मित यार्ड प्लान का अवलोकन किया और नये प्लान के अंतर्गत किये जा रहे सुधार कार्यों का निरीक्षण कर सम्बंधित को दिशा निर्देश दिया । इसके पश्चात महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर अपनी निरीक्षण स्पेशल से पनियहवा-वाल्मिकी नगर स्टेशन के मध्य गंडक नदी पर बने रेल पुल का संरक्षा निरीक्षण किया। ज्ञातव्य हो की दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत गोरखपुर कैन्ट-वाल्मिकीनगर (95.95 किमी) दोहरीकरण का कार्य 05 चरणों में पूर्ण किया जायेगा। इस परियोजना के पूरा होने से लाइन क्षमता में वृद्धि होने के साथ ही जन आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक गाड़ियों का संचलन हो सकेगा।

मुख्य कारखाना प्रबन्धक श्री सुनीश कुमार शर्मा की उपस्थिति में नवस्थापित टायलेट वैक्टीरिया परीक्षण प्रयोगशाला का शुभारम्भ फीता काटकर करते हुये वरिष्ठ कर्मचारी

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर के सी.एम.टी. प्रयोगशाला परिसर में नवस्थापित ए.एम.आई., बायो टायलेट बैक्टीरिया परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन मुख्य कारखाना प्रबन्धक, यांत्रिक कारखाना

सुनील कुमार शर्मा ने 03 फरवरी,2026 को यांत्रिक कारखाना के सी.एम.टी. प्रयोगशाला परिसर में किया। प्रयोगशाला का शुभारम्भ वरिष्ठ कर्मचारी केमिकल एवं मेटालॉर्जिकल अधीक्षक श्री ए.के.जैसवाल ने फीता काटकर किया। ज्ञातव्य है कि इसके पूर्व, कोचों को बायो-टायलेट बैक्टीरिया परीक्षण के लिये बाहर भेजा जाता था। इस प्रयोगशाला के स्थापना से कारखाना के परिसर में ही ए.एम.आई (बायो टायलेट बैक्टीरिया) के गुणवत्ता की जांच यांत्रिक कारखाना में प्रारम्भ हो गयी है। इस अवसर पर उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, प्लांट, वर्क्स एवं अन्य अधिकारी तथा प्रयोगशाला पर्यवेक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यांत्रिक कारखाना सुनील कुमार शर्मा

गोरखपुर,: यांत्रिक कारखाना,गोरखपुर में 03 फरवरी,2026 को यांत्रिक कारखाना राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक एवं साहित्यिक गोष्ठी का

आयोजन मुख्य कारखाना प्रबन्धक श्री सुनील कुमार शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर महाकवि जयशंकर प्रसाद जी की जयन्ती मनाई गई। बैठक को सम्बोधित करते हुये मुख्य कारखाना प्रबन्धक श्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का शत-प्रतिशत अनुपालन एवं उसका प्रचार-प्रसार हम सभी का संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने संतोष व्यक्त करते हुये कहा कि इस कार्यालय के शासकीय काम-काज में हिन्दी के प्रयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, सूचना तकनीक सम्बन्धी क्रिया-कलापों में भी हिन्दी प्रयोग का समावेश हुआ है। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अनुज कुमार मिश्र ने कहा कि कारखाने में अधिकांश कार्य राजभाषा हिन्दी में ही किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में राजभाषा में कार्य करने के प्रति जागरूकता आती है। श्रीमती अनामिका सिंह, वरिष्ठ अनुवादक/प्रभारी, मुख्यालय ने प्रसिद्ध साहित्यकार जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व व कृतिव पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाकवि जयशंकर प्रसाद का साहित्य के क्षेत्र में अनुपम देन है। उनकी रचनायें केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन दर्शन और आदर्शों की प्रस्तुति भी है। इस अवसर पर कारखाने के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। श्री शशिकान्त सिंह, वरिष्ठ अनुवादक एवं श्री अरविन्द कुमार, सीनियर सेक्शन इंजीनियर/कम्प्यूटर ने बैठक का संचालन किया। अन्त में सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रवि कुमार मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

छात्र का शव फंदे से लटका मिला पिता ने जताई हत्या की आशंका नशीली चीजें और सुसाइड नोट बरामद

कानपुर। बिठूर के होरा बांगर में प्रतियोगी छात्र का शव फंदे से लटका मिला, जिसके बाद परिजनों ने हत्या का अंदेशा जताते हुए जांच की मांग की है। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट और कुछ नशीली चीजें मिली हैं, जो मामले को संदिग्ध बना रही हैं। कानपुर में बिठूर थाना क्षेत्र के होरा बांगर नई बस्ती में मंगलवार सुबह एक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले जीतू यादव (25) का शव हॉल में फंदे से लटकते मिला है। सुबह जब दोस्तों का फोन नहीं रिसीव हुआ, तब दोस्तो के पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। आर्मी से रिटायर्ड पिता जयवीर सिंह और बड़े भाई पुष्पेंद्र सिंह ने घटना को संदिग्ध बताते हुए जांच की मांग की। बिठूर पुलिस और फारेंसिक टीम ने घटनास्थल से कुछ आपत्तिजनक नशे की चीजे बरामद की है।

योगी जी थैंक यू; 90 किमी पैदल चलकर CM से मिलने पहुंची थी खुशी कॉक्लियर इम्प्लांट ने बदली दुनिया

कानपुर। 90 किलोमीटर पैदल चलकर मुख्यमंत्री से मदद मांगने वाली कानपुर की खुशी का कॉक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन मुख्यमंत्री के निर्देश पर निशुल्क कराया गया। ऑपरेशन के बाद खुशी अब सुनने और बोलने में सक्षम हो गई है, जिससे उसके परिवार में खुशी का ठिकाना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक अपनी बात पहुंचाने के लिए 90 किलोमीटर पैदल चलकर लखनऊ पहुंची मूक-बधिर बच्ची खुशी अब सुनने और बोलने लगी है। मुख्यमंत्री की पहल और सरकारी सहयोग से हुए इलाज ने उसकी ज़िंदगी को नई दिशा दे दी है। खुशी जन्म से ही सुनने और बोलने में असमर्थ थी। नवंबर 2025 में वह बिना बताए घर से निकलकर लखनऊ पहुंच गई थी। मुख्यमंत्री आवास के बाहर रोते हुए मिलने पर पुलिस ने उसे सुरक्षित थाने पहुंचाया। बाद में मामला संज्ञान में आने पर उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराया

गया। जांच में सामने आया कि बच्ची को सुनने के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट की आवश्यकता है। कॉक्लियर इम्प्लांट का ऑपरेशन किया इस पर करीब छह से सात लाख रुपये का खर्च आना था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन अधिकारी और एक फाउंडेशन के सहयोग से इलाज की व्यवस्था कराई गई।26 जनवरी 2026 को कॉक्लियर इम्प्लांट का ऑपरेशन किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। एक साल के भीतर सामान्य बच्चों की तरह बातचीत कर सकेगी अब खुशी न केवल आवाजें सुन पा रही है, बल्कि टूटे-फूटे शब्दों में बोलने की भी शुरूआत कर चुकी है। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद खुशी के मुंह से निकले पहले शब्द थे- थैंक यू योगी जी डॉक्टरों के अनुसार नियमित स्पीच थैरेपी से तीन महीने में बोलने की क्षमता बेहतर होगी और एक साल के भीतर वह सामान्य बच्चों की तरह बातचीत कर सकेगी।

बसपा के पूर्व सांसद के वाहन की पुलिस ने की चेकिंग, अतुल राय ने पोस्ट कर लिखा मुझे कोई ताकत नहीं रोक सकती

मऊ। मऊ शहर में कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बसपा के पूर्व सांसद अतुल राय के वाहन की पुलिस ने चेकिंग की। इसे लेकर अतुल राय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जिसके बाद यह चर्चा का विषय बना हुआ है। मऊ जिले के घोसी से बसपा के पूर्व सांसद अतुल राय सोमवार की देर रात एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर में पहुंचे। यहां पुलिस ने कचहरी गेट के पास पूर्व सांसद के वाहन के साथ तीन अन्य वाहनों की तलाशी ली। शहर कोतवाल अनिल सिंह के नेतृत्व में पुलिस जवानों ने तलाशी की कार्रवाई की। यह चेकिंग करीब 20 मिनट तक चला। हालांकि चेकिंग अभियान में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला। वहीं इस मामले में एसपी इलामारन जी ने बताया कि पुलिस को किसी से इनपुट मिला था, जिसके बाद पुलिस ने चेकिंग की थी। इस दौरान पुलिस ने पूर्व सांसद की मयार्दा का ध्यान भी रखा था। उधर, इस मामले के बाद अतुल राय ने अपने सोशल मीडिया पर इसको लेकर एक पोस्ट किया। जिसमें उन्होंने लिखा कि मऊ प्रशासन के द्वारा आज मेरी गाड़ियों की सघन तलाशी कराई गई। जबकि सीआरपीसी-144 (बीएनएस-163) को ध्यान में रखते हुए मैं चार गाड़ियों से भ्रमण कर रहा था, उसके बाद भी प्रशासन के द्वारा यह कार्यवाही की गई। मऊ प्रशासन के द्वारा आज मेरी गाड़ियों की सघन तलाशी कराई गई, सीआरपीसी - १४४ (बीएनएस-१६३) को ध्यान में रखते हुए मैं मात्र ४ गाड़ियों से भ्रमण कर रहा था उसके बाद भी प्रशासन के द्वारा यह कार्यवाही की गई । बताया कि घोसी लोकसभा के मेरे हमसफर साथियों आप सभी के सुख दुख में शामिल होने से मुझे कोई ताकत नहीं रोक सकती। अगर प्रशासन को मेरे एक भी गाड़ी से चलने से दिक्कत होगी तो मैं गाड़ी छोड़ कर पैदल और वो भी अकेले चलना शुरू कर दूंगा।

शिवरात्रि के बाद काशी आएंगे पीएम मोदी हजार करोड़ से ज्यादा की देंगे सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र में कई परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण करेंगे। मंडलीय कार्यालय, सिग्नेचर रेल रोड ब्रिज, रोपवे से लेकर सोलर पार्क तक की सूची तैयार कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शिवरात्रि के बाद काशी के दौरे पर आ सकते हैं। संभावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। विभिन्न विभागों से उन योजनाओं और परियोजनाओं की सूची मांगी गई है, जिनका प्रधानमंत्री शिलान्यास या लोकार्पण कर सकते हैं। अनुमान है कि इस दौरे में काशी को एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात मिल सकती है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों से प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं की सूची मांगी है, ताकि शिलान्यास और लोकार्पण का विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया जा सके। विभागों के अनुसार कमिश्नरी आवास परिसर में बनने वाले मंडलीय एकीकृत कार्यालय भवन का शिलान्यास पीएम मोदी कर सकते हैं। तैयारियां तेज वहीं जल निगम की ओर से प्रस्तावित सोलर पार्क और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) की परियोजनाओं को भी हरी झंडी मिलने की संभावना है। शहर के ट्रैफिक और कनेक्टिविटी को नई दिशा देने वाले सिग्नेचर रेल रोड ब्रिज, नगर निगम के नए सदन भवन, और काशी रोपवे परियोजना भी प्रधानमंत्री के एजेंडे में शामिल रहेंगी। इसके अलावा रामनगर में बन रहे वृद्धाश्रम और वर्किंग वुमेन हॉस्टल का शिलान्यास भी संभावित है। ऊर्जा क्षेत्र में एक बड़ी पहल के तहत सर्किट हाउस परिसर में प्रदेश का पहला साइलेंट सब स्टेशन स्थापित किया जाएगा, जो बिना शोर के संचालित होगा। इसे भी प्रधानमंत्री की सौगातों में शामिल किया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग की कई सड़कों, एनएचएआई के हाईवे

प्रोजेक्ट, जिला अस्पतालों में बनने वाले डे केयर सेंटर, और बनारस रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित तीसरी रेल लाइन के शिलान्यास की भी तैयारी चल रही है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि प्रस्तावित सभी परियोजनाओं की कुल लागत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी जा रही है।

शुक्लागंज में सुबह नौ बजे छाया गहरा अंधेरा आंधी-बारिश ने थामी रफ्तार

कानपुर। शुक्लागंज में मंगलवार सुबह अचानक आई तेज आंधी और बारिश ने दिन में रात जैसा अंधेरा कर दिया, जिससे पुलों और हाईवे पर यातायात की रफ्तार बेहद धीमी रही। बारिश के कारण नगर में भारी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में गेहूं और सरसों की फसलों को काफी

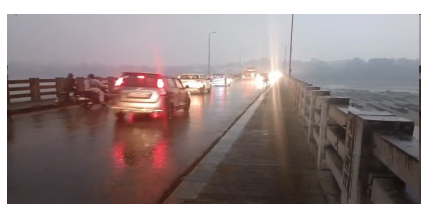

क्षति पहुंची है। कानपुर के शुक्लागंज में मंगलवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी के साथ नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश हुई। सुबह नौ बजे हाल यह रहा की दिन की सुबह शाम में बदलती नजर आई। वहीं, बारिश होने के कारण नगर में जगह-जगह जल भराव की स्थिति रही। सरसों और गेहूं की फसलों को नुकसान होना बताया गया। नगर के नवीन गंगा पुल, आजाद मार्ग, जाजमऊ हाईवे पुराने पुल पर यातायात धीमी गति से निकला। इसके अलावा, दृश्यता कम होने के कारण लोग वाहनों की लाइट जला कर निकले।

संक्षिप्त खबरें

एक माह बाद भी पुलिस की चुप्पी सवालों के घेरे में

बस्ती। जिले में एक महिला और उसके परिवार को बदनाम करने के उद्देश्य से मार्फ्ड वीडियो वायरल किए जाने के गंभीर मामले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि पूरे मामले का मास्टरमाइंड खुलेआम घूम रहा है, जबकि घटना को एक माह से अधिक समय बीत चुका है और अब तक पुलिस ने मुख्य आरोपी के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं किया है। पीड़ित परिवार का कहना है कि वीडियो को योजनाबद्ध तरीके से तैयार कर वायरल किया गया, जिसमें मास्टरमाइंड के साथ अन्य लोगों की भूमिका भी सामने आई है। इसके बावजूद कार्रवाई की रफ्तार बेहद धीमी है। पुलिस ने भले ही पीड़िता और दो अन्य लोगों के बयान दर्ज कर लिए हों, लेकिन एफआईआर दर्ज न होना कई सवाल खड़े करता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य महिला आयोग के साथ ही अन्य जांच एजेंसियां भी घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। खास बात यह है कि प्रकरण को लेकर सूबे के एक कैबिनेट मंत्री ने भी पुलिस अधीक्षक बस्ती को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि तत्काल मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए, फिर भी जमीनी स्तर पर कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दे रही। पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस किसी दबाव में काम कर रही है, जिसके चलते आरोपी बेखौफ होकर घूम रहा है। परिवार ने साफ कहा है कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि जरूरत पड़ी तो उच्चाधिकारियों और न्यायिक मंच का दरवाजा खटखटाया जाएगा।

बिल बढ़ाने के लिए हाइड्रोसील की जगह कर दिया हार्निया का ऑपरेशन

बस्ती। जिले में आयुष्मान भारत योजना के तहत पंजीकृत एक निजी अस्पताल पर बिना बीमारी के ही बिल बनाने के लिए मरीज का ऑपरेशन कर देने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस अधीक्षक के यहां हुई शिकायत के बाद एसपी ने मामले की जांच के लिए सीएमओ को पत्र लिखा है। सीएमओ के स्तर से मामले की जांच कराई जा रही है। गौर थाना क्षेत्र के सरैया तिवारी निवासी अभय कुमार ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि सात जुलाई 2025 को उसकी तबीयत खराब होने पर जिगिना चौराहा स्थित एक निजी अस्पताल में वह भर्ती हुआ। जांच के बाद चिकित्सक ने बताया कि उसे हाइड्रोसील की समस्या है, ऑपरेशन कराना होगा। हाइड्रोसील का ऑपरेशन करने के साथ ही डॉक्टर ने बताया कि उसे हार्निया भी है। मेडिकल रिपोर्ट में हार्निया की समस्या नहीं दर्शाई गई थी। ऑपरेशन के बाद भी उसे समस्या बरकरार है। दूसरी जगह जांच कराने पर पता चला है कि बीमारी गंभीर हो चुकी है। प्रार्थी को जो बीमारी नहीं थी उसका ऑपरेशन कर दिया गया। हार्निया की रिपोर्ट मांगने जब वह अस्पताल पर गया तो उसे जातिसूचक गालियां देकर भगा दिया गया। अभय कुमार का आरोप है कि आयुष्मान कार्ड से इलाज की सुविधा मुहैया कराने के लिए उससे पांच हजार रुपये लिए गए थे। उसे शक है कि यहां पर आयुष्मान योजना के तहत फर्जी ऑपरेशन करके फर्जी तरीके से भुगतान लिया जा रहा है। एसपी अभिनंदन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ डॉ. राजीव निगम को जांच संबंधी पत्र भेजा है। पत्र के बाद कार्यालय में खलबली है।

रविदास जयंती की झांकी निकाले जाने के दौरान मारपीट

नगर बाजार (बस्ती)। कस्बे में गुरु रविदास जयंती की झांकी के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब कुछ असामाजिक तत्वों ने मारपीट की घटना को अंजाम दे दिया। नगर पंचायत नगर बाजार (दक्षिण टोला) के पास से गुरु रविदास जयंती की झांकी निकल रही थी। इसी दौरान कुछ अराजक तत्व झांकी का वीडियो बनाने लगे। मौके पर मौजूद प्रशासन के मना करने के बावजूद नहीं माने और विवाद करने लगे। आरोप है कि जब झांकी गांव की तरफ बढ़ रही थी तो आरोपियों ने कमेटी के सदस्यों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस घटना में राम जनक के सिर में गंभीर चोट आई है। घायलों में राम जनक, सूरज प्रसाद, अशोक कुमार और करुण देवी शामिल हैं। सूचना मिलते ही 112 की टीम मौके पर पहुंची। इस संबंध में थाना प्रभारी नगर भानु प्रताप सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नहर की पुलिया के पास दफन मिला नवजात का शव

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के दुबौली-अकेला मार्ग के बीच रविवार को नहर की पुलिया के पास संदिग्ध शव दफनाने के मामले में सोमवार की सुबह पुलिस ने गड्ढे को खोदवाया। गड्ढे में दूध मुंहे बच्चे का शव मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, दुबौली-अकेला मार्ग के बीच स्थित नहर की पुलिया के पास रविवार को दोपहर बाद अज्ञात शव दफनाने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। ग्रामीणों की मांग पर पुलिस ने सोमवार की सुबह पुलिस ने गड्ढे को खोदवाया तो उसमें नवजात का शव मिला। इसके बाद पुलिस शव की शिनाख्त में जुट गई। थोड़ी देर बार शव की शिनाख्त लुतुही गांव निवासी अनिल गौतम थाना महुली जनपद संतकबीरनगर की लड़की श्रेया पत्नी सानू प्रसाद के बेटे के रूप में हुई। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि रविवार की सुबह एक निजी अस्पताल में उसे मृत बच्चा पैदा हुआ था। उसके भाई मुकुल, चाचा प्रकाश तथा ससुर ने ग्राम दुबौली खुर्द के तालाब के किनारे दफना दिया था। पास में दुबौली खुद के अनिल का खेत था। उन्होंने आशंका में पुलिस को सूचना दे दी थी। लालगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि पंचनामा की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मासूम से दुष्कर्म की कोशिश का आरोपी बुजुर्ग गिरफ्तार

बस्ती। कलवारी थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार की दोपहर में छह वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की कोशिश करने के आरोपी बेहुली निवासी हद्दीश (73) को उसके घर से सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर पॉक्सो व एससी-एसटी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से वह जेल भेज दिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि वह बेटी के साथ मायके आई है। रविवार को खाना खाने के बाद बेटी दोपहर में घर के बाहर खेलने चली गई। इसी बीच गांव का बुजुर्ग हद्दीश उसे टॉफी दिलाने के बहाने साथ ले गया। जब बेटी दोपहर एक बजे तक घर नहीं आई तो वह खोजने निकली। इस दौरान चीखने की आवाज सुनकर वह आरोपी के घर के पास वह रुक गई। बेटी और बुजुर्ग को निर्वस्त्र देख उसने शोर मचाया। इसके बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग को हिरासत में ले लिया था। थानेदार गजेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी रविवार को ही दर्ज की गई थी।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता पर बोलीं मायावती

लखनऊ,(संवाददाता)।उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भारत और अमेरिका के बीच बीच हुए समझौते के तहत अमेरिका ने भारत से आने वाली वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।इसे लेकर मायावती ने एक पर पोस्ट कर बड़ी बात कही है।उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच अनेक शर्तों के साथ आपसी समझौते के बाद अमेरिका द्वारा 18 प्रतिशत टैरिफ लगाये जाने की खबर कितनी देश व जनहित में है इसके सम्बन्ध में समुचित जानकारी के अभाव में तत्काल कोई आकलन करना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि इसपर जमीनी अमल होने के बाद ही यह सही से मालूम हो पायेगा कि इससे देश के खासकर बहुजनों, गरीबों, मजदूरों, किसानों व महिलाओं आदि का क्या भला होगा। मायावती ने कहा कि वैसे तो यह बेहतर होता कि इसके सम्बन्ध में सरकार द्वारा संसद के सत्र के दौरान ही इसके बारे में विस्तार से बताया जाता ताकि लोगों को सही-सही जानकारी मिल पाती। आप को बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच हुए समझौते के तहत अमेरिका ने भारत से आने वाली वस्तुओं पर जवाबी शुल्क को 25 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है।

प्रभु श्रीराम के महाभिषेक के साथ समर्थ रामदास नवमीं उत्सव शुरू

■ ग्वालियर

दाल बाजार स्थित श्री समर्थ रामदास स्वामी की 200 वर्ष पुरानी प्राचीन परंपरा के मठ आबा महाराज श्री राम मंदिर में सोमवार से छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरू श्री समर्थ रामदास नवमीं पुण्यतिथि उत्सव का प्रारंभ भगवान श्री राम के महाभिषेक के साथ हुआ। इसके बाद श्री समर्थ रामदास जी द्वारा रचित ग्रंथराज दासबोध का सामूहिक पारायण किया गया, जिसमें 35 साधकों ने भाग लिया। शाम को सज्जनगढ़ पर होने वाली सामूहिक उपासना हुई। तत्पश्चात कीर्तनकार ओंकार बुवा गद्रे, डोंबिवली (महाराष्ट्र) का कीर्तन हुआ। जिसमें उन्होंने श्री समर्थ रामदास स्वामी जी के पद रामदास्य आणि हे वाया जाईल, ऐसे न घडेल कदाकाळी की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा की भगवान का दास्यत्व जिसने भी जीवन में स्वीकारा है वह कभी भी व्यर्थ नहीं जाता। संतों ने अपने जीवन दास्य भक्ति को स्वीकार किया है चाहे वो श्री समर्थ रामदास हों या गोस्वामी तुलसीदास जी हों।

भगवान को पाने के लिए अपने मन को निर्मल करना होगा

ग्वालियर। सनातन धर्म मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन की कथा में कथा वाचक आचार्य पं. राम दुबे महाराज ने कहा कि अगर हमें भगवान को पाना है तो सबसे पहले हमको अपना मन निर्मल करना होगा। मन से छल, कपट, ईर्ष्या का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि जो बाहर से काटता है उसे मच्छर कहते हैं परंतु जो अंदर से काटता है उसे मत्सर कहते हैं जैसे मनुष्य दूसरे की उन्नति देखता है तो सोचता है इसका सम्मान क्यों हो रहा है और उसके मन में ईर्ष्या हो जाती है अंदर से जलने लगता है। जब मनुष्य भजन करता है तब उसके अंदर मां भक्ति का प्रादुर्भाव होता है। मंगलवार को भगवान वामन का अवतार, श्री राम अवतार एवं भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा।

वाईकर मठ में रामदास स्वामी पुण्यतिथि महोत्सव शुरू

लक्ष्मीगंज स्थित वाईकर मठ में समर्थ रामदास स्वामी का 123 वां पुण्य तिथि महोत्सव का शुभारंभ सोमवार सुबह ध्वज वंदन, गौपूजा, श्री जी का अभिषेक आरती के साथ हुआ। दोपहर मे थत्ते भजन मंडल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। शाम को सच्चिदानंद नाथ ढोलीबुआ महाराज द्वारा मराठी में हरि कथा की गई जिसमें दासबोध ग्रंथ की विस्तृत जानकारी दी गई। ध्वज वंदन, गौपूजा रविंद्र सायखेड़कर, उमेश बाभले ने एवं पूजा अभिषेक देवेंद्र घाटे ने किया। प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया की मंगलवार को मनोबोध का सामूहिक पाठ एवं सुंदरकांड का पाठ होगा।

भागवत कथा में माता-पिता को वृद्धाश्रम नहीं भेजने का दिलाया संकल्प

लक्ष्मीगंज स्थित माधव बाल निकेतन विद्याश्रम में श्रीमद् भागवत कथा का सातवें दिन भावपूर्ण समापन हुआ। कथा व्यास भागवत आचार्य पं. घनश्याम शास्त्री ने सुदामा चरित्र, कलियुग वर्णन, कृष्ण-सखा प्रेम एवं मोक्षदायी भागवत महिमा का हृदयस्पर्शी वर्णन कर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा केवल कथा नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, भक्ति और सेवा के मार्ग पर चलाने वाली दिव्य प्रेरणा है। सुदामा चरित्र हमें त्याग, सच्ची मित्रता और ईश्वर की करुणा का बोध कराता है। कथा आयोजन में नूतन श्रीवास्तव ने सभी श्रोताओं को संकल्प दिलवाया कि किसी भी स्थिति में अपने मां-बाप को अपने पास ही रखें उनका सम्मान करें उनका कहना मानें एवं उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लें। साथ ही उन्हें वृद्धाश्रम नहीं भेजें। इस अवसर पर मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी आदि मौजूद थे।

हमारे जीवन में गुरु मंत्र भी देते हैं और ग्रंथ भी

हमारे जीवन में गुरु मंत्र भी देते हैं और ग्रंथ भी देते हैं। अगर हमें अपने जीवन में अध्यात्म की सृष्टि करना हो तो हमें अपने गुरुजनों के चरणों में बैठकर मंत्र लेना चाहिए और मंत्र जब सार्थक हो जाए तो ग्रंथ लेना चाहिए। यह बात सोमवार को सद्गुरु अण्णा महाराज हठयोगी मठ में 198 वे समाधि महोत्सव के समापन अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह राठौड़ ने कही। मठ के महंत मनीष विट्ठल अण्णा महाराज ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि पश्चिम के लोग हमारी सनातन संस्कृति को अपना रहे हैं और हम उनकी पाश्चात्य संस्कृति में डूबे जा रहे हे। इस अवसर पर मनीष विट्ठल, मठ के पदाधिकारी त्रिलोक सिंह राठौर, शाहरुख खान, कृष्णपाल सिंह कुशवाह, शकुंतला तोमर, उपेंद्र तोमर, सुनील श्रीवास्तव आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

रुक्मिणी-कृष्ण का हुआ विवाह, गाए मंगल गीत

संत कंवरराम कॉलोनी, मामा का बाजार में चल रही भागवत कथा में कथावाचक पं. यतेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुनाया। इस मौके पर संत कृपाल सिंह महाराज, पं. सीताराम दुबे, नेता प्रतिपक्ष हरिपाल, एमआईसी सदस्य प्रेमलता धर्मेन्द्र जैन, भाजपा नेता अशोक पटसारिया व गिरजा गर्ग ने व्यास पीठ का पूजन किया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण-रुक्मिणी की झांकी सजाई गई, तो वहीं श्रद्धालुओं ने विवाह के मंगल गीत भी गाए। यतेन्द्र कृष्ण ने कहा कि प्रेम का मतलब सिर्फ हासिल करना नहीं होता है। प्रेम दुनिया की सबसे पवित्र वस्तु है। भगवान कृष्ण और राधा का प्रेम दुनिया में आदर्श प्रेम है। आज के युवाओं को इसे समझने की जरूरत है। इस मौके पर रामेन्द्र शिवहरे, सौरभ अग्रवाल, गोपाल दास अग्रवाल, राजू शर्मा, मनोज भदकारिया, अमित सोनी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

ज्योतिष शिविर में 155 लोगों ने दिखाई कुंडली

ग्वालियर। मानव अधिकार प्रोटेक्शन मध्यप्रदेश की ग्वालियर इकाई द्वारा जनहित में निःशुल्क ज्योतिष शिविर का आयोजन जनकगंज में किया गया जिसमें 155 लोगों ने अपनी कुंडली ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन को दिखाई। जिसमें विवाह, नौकरी और गृह क्लेश से पीडित लोगों को उचित परामर्श दिया गया। इस मौके पर राजेंद्र झा, विनय जैन, संजीव नागर, श्याम श्रीवास्तव, रेखा गंभीर आदि उपस्थित रहे।

जयारोग्य में खेल सप्ताह शुरू

ग्वालियर। शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय जयारोग्य समूह में खेल सप्ताह का शुभारम्भ सोमवार को गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने छात्र-छात्राओं को खेलो के महत्व के बारे मे बताया एवं खेलो से शारीरिक एवं मानसिक विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर नर्सिंग नोडल अधिकारी डॉ. जितेन्द्र अग्रवाल, नर्सिंग महाविद्यालय प्राचार्य अर्चना जोशी एवं सुजा नायर सहित अन्य मौजूद रहे।

गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण का देती है संदेश

ग्वालियर। संत शिरोमणि श्री दासजी महाराज के वर्षी महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही श्रीमद् भागवत कथा में कथाव्यास श्री श्री 1008 जगतगुरु स्वामी रामेश्वरानंद महाराज ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं नंदोत्सव, माखन चोरी, गोपियों संग महारास, गोपी गीत और गोवर्धन पूजा के प्रसंग विस्तार से सुनाए। इस दौरान गोवर्धन पर्वत की झांकी सजाकर भगवान श्री कृष्ण को 56 भोग लगाए गए। जगतगुरु स्वामी रामेश्वरानंद महाराज ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर धर्म और सत्य की पुनः स्थापना के लिए द्वापर युग में अवतार लिया।

एकलव्य खेल परिसर के 4 बॉक्सर ने खेलो एमपी यूथ गेम्स के स्वर्ण पर किया कब्जा

■ निगमायुक्त ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को किया प्रोत्साहित

■ ग्वालियर

खेलो एमपी यूथ गेम्स की बॉक्सिंग (28-30 जनवरी को भोपाल) व बैडमिंटन (28-31 जनवरी को ग्वालियर) की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की थी। जिसमें नगर निगम द्वारा संचालित एकलव्य खेल परिसर के 4 बॉक्सर एवं 1 बैडमिंटन खिलाडी ने स्वर्ण पदक जीतकर नगर निगम द्वारा संचालित एकलव्य खेल परिसर का मान बढ़ाया है। सहायक खेल अधिकारी विजेता सिंह चौहान ने बताया कि बॉक्सिंग में प्रिंस यादव 52-54 किग्रा (स्वर्ण पदक 31000), दामिनी शर्मा 52-54 किग्रा (स्वर्ण पदक 31000), अर्जुन तिवारी 63-66 किग्रा (कास्य पदक 11000), परमजीत यादव 70-75 किग्रा(स्वर्ण पदक 11000) जीता है। साथ ही बैडमिंटन के खिलाड़ी अभिनव शर्मा (डबल्स-रजत पदक 10500, सिंगल्स-कांस्य पदक 11000) में पदक जीता है। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निगमायुक्त संघ प्रिय ने पदक विजेता खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं बैडमिंटन कोच हिमांशु चौधरी व बॉक्सिंग कोच संतोष अर्गल को बधाई दी। मुलाकात के दौरान अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर, खेल अधिकारी ब्रज किशोर त्यागी, अयोध्या शरण शर्मा, जितेंद्र यादव मौजूद रहे।

केदारधाम आवासीय विद्यालय में शुभकामना समारोह आयोजित

ग्वालियर। शिवपुरी लिंक रोड स्थित केदारधाम आवासीय विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर सीबीएसई कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए शुभकामना समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठ साथियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों के रूप में अधिवक्ता राजेश शुक्ला , पूर्व छात्र डॉ. अमित जैन, विद्यालय के प्रबंधक अवधेश त्यागी तथा प्राचार्य अमित कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे। अतिथियों ने कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों ने अपने छात्रावास जीवन से जुड़े अनुभव साझा किए, जिसे सुनकर वातावरण भावुक हो उठा। वहीं कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने वरिष्ठ छात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।

जेसीआई मृगनयनी नए सपनों, नए संकल्प और नई उड़ानों का मंचः अग्रवाल

■ जेसीआई ग्वालियर मृगनयनी का 34वां स्थापना समारोह आयोजित

■ ग्वालियर

जेसीआई मृगनयनी का 34वां स्थापना समारोह का आयोजन सोमवार किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल रहे। अतिथियों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष शशि गर्ग के नेतृत्व में नवदायित्व पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

मुख्य अतिथि आशीष उषा अग्रवाल ने कहा कि यह मंच मुझे साधारण नहीं लगता, बल्कि यह नई उड़ानों, नए ख्वाबों और नए सपनों का मंच लगता है। समाज सेवा का यह प्रण लेने की परंपरा और संकल्प का भाव जिस परिवार में है, उसका नाम है जेसीआई मृगनयनी। जब नारी शक्ति समाज को बदलने का संकल्प लेती हैं, तो विश्वास मानिए बदलाव होना तय है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शशि गर्ग ने कहा कि उन्हें मिले नवदायित्व के साथ उन्होंने जो संकल्प लिया है, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ साकार किया जाएगा। विशिष्ट अतिथि मप्र चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल, जोन प्रेसीडेंट अमृता शर्मा, शुभम जैन एवं सचिव देव्यांशी अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष जेसी उषा सोमानी, कन्वीनर प्रीति समीर, रेनू मंगल, प्रीती नामदेव, रिचा अग्रवाल, संतोषी शिवहरे , अनीता जैन अंकिता पेंदुरकर, मीनाक्षी खत्री सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों ने योग कर किया श्रमदान

ग्वालियर। माधव प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान (एमआईटीएस) ग्वालियर की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा समन्वय सेवा आश्रम, मुरैना रोड पर सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चौथे दिन की शुरुआत स्वयंसेवकों ने सुबह 5:30 बजे ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र से प्रभात फेरी के साथ की। इसके बाद योग, व्यायाम, श्रमदान और परिसर स्वच्छता में सक्रिय भागीदारी की। प्रातः 11 बजे आयोजित बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. हरिकृष्ण कंसाना, समन्वयक एनएसएस, जीवाजी विश्वविद्यालय ने संतुलित जीवनशैली, प्लास्टिक प्रबंधन, मोबाइल के विवेकपूर्ण उपयोग और स्वयंसेवकों की सामाजिक भूमिका पर विचार साझा किए। विशेष होलानी ने पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन पर मार्गदर्शन दिया। सायंकाल वृक्षारोपण एवं जागरूकता रैली में स्वयंसेवकों ने पोस्टरों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाई। रात्रि भोज के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिविर का यह दिन प्रो. दीप किशोर पारसेडिया एवं डॉ. सुरेंद्र चौरसिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

अमर ज्योति स्कूल का वार्षिकोत्सव आयोजित

ग्वालियर। अमर ज्योति स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजकुमार आचार्य रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि डेजी बापना, प्रेसिडेंट अजय कपूर थे। संस्थापक एवं सचिव डॉ. उमा तुली ने दीप प्रज्जवलन, गणेश वंदना और वंदे मातरम् से समारोह का शुभारंभ किया। दिव्यांग और सामान्य विद्यार्थियों ने समावेशी बैंड और सांकेतिक भाषा में नाटकों के माध्यम से एकता में विविधता का संदेश प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. आचार्य ने बच्चों के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि अक्षमता सोच में होती है, शरीर में नहीं। कार्यक्रम के अंत में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

रजिस्ट्री में विसंगति रोकने की तैयारी, 700 से ज्यादा लोकेशन पर दरें बढ़ाने का प्रस्ताव

■ गाइडलाइन में औसतन 20 से 30 फीसदी तक इजाफे की संभावना

■ ग्वालियर

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए संपत्ति गाइडलाइन तय करने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। पंजीयन विभाग ने रजिस्ट्री से जुड़े पिछले वर्षों के डेटा का गहन विश्लेषण कर गाइडलाइन बढ़ोत्तरी का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लिया है। उप पंजीयकों के साथ हुई बैठक में यह स्पष्ट हुआ कि इस बार गाइडलाइन में प्रस्तावित बढ़ोत्तरी का मुख्य आधार पॉलीगॉन क्षेत्र का विस्तार है।

जानकारी के अनुसार शहर और उसके आसपास की लगभग 700 लोकेशन ऐसी चिन्हित की गई हैं, जहां गाइडलाइन में 10 फीसदी से लेकर 100 फीसदी तक बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव है। हालांकि औसतन बढ़ोत्तरी 20 से 30 फीसदी के बीच रहने की संभावना जताई जा रही है। यह प्रस्ताव मंगलवार को महानिरीक्षक, पंजीयन विभाग के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि नई गाइडलाइन व्यवस्था का मकसद केवल दरों में इजाफा करना नहीं है, बल्कि स्टांप ड्यूटी की चोरी पर प्रभावी नियंत्रण करना है। पिछले वर्षों में यह देखने में आया कि जिन इलाकों में रजिस्ट्री की संख्या अधिक होती थी, वहां गाइडलाइन बढ़ते ही क्रेता और सेवा प्रदाता बगल की सस्ती लोकेशन का रुख कर लेते थे। इससे शासन को स्टांप ड्यूटी के रूप में बड़ा राजस्व नुकसान उठाना पड़ता था।

सीमित दायरे के कारण बनी रही थी विसंगति

वित्त वर्ष 2025-26 की गाइडलाइन में भी अधिक रजिस्ट्री वाली लोकेशन पर दरें बढ़ाई गई थीं, लेकिन पॉलीगॉन का दायरा सीमित होने के कारण समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी। आसपास के क्षेत्रों में कम दरें होने से रजिस्ट्री वहीं शिफ्ट हो जाती थी, जिससे गाइडलाइन और वास्तविक बाजार मूल्य के बीच अंतर बना रहा।

आसपास की लोकेशन भी होंगी शामिल

2026-27 की प्रस्तावित गाइडलाइन में पॉलीगॉन का विस्तार कर उन इलाकों को भी शामिल किया जा रहा है, जहां से रजिस्ट्री स्थानांतरित होकर की जा रही थी। इससे दरें अधिक समान और व्यवहारिक होंगी, साथ ही गाइडलाइन की चोरी पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

बाजार मूल्य के अनुरूप होंगी नई दरें

अधिकारियों के मुताबिक जिन क्षेत्रों में लंबे समय से बाजार मूल्य और गाइडलाइन में बड़ा अंतर बना हुआ था, वहां यह बढ़ोत्तरी वास्तविक कीमतों के अनुरूप होंगी। हालांकि कुछ पॉकेट्स में बढ़ोत्तरी अधिक नजर आ सकती है, लेकिन समग्र रूप से इसका असर पारदर्शिता बढ़ाने और राजस्व में वृद्धि के रूप में सामने आएगा।

आईटीएम में 46वीं मीटिंग ऑफ माइंड्स आयोजित

नए युग में तकनीक का संतुलित उपयोग जरूरी

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय में सोमवार को 46वीं मीटिंग ऑफ माइंड्स का आयोजन उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विश्वविद्यालय के फाउंडर चांसलर रमाशंकर सिंह रहे।

उन्होंने कहा कि नए युग में टेक्नोलॉजी का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि बापू ने कभी तकनीक का विरोध नहीं किया, बल्कि उसके संतुलित उपयोग पर बल दिया। उन्होंने समय की पाबंदी को जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि समय का सही प्रबंधन न हो तो जीवन बिखर सकता है।

इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वाइस चांसलर प्रो. डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अनुभव आधारित ज्ञान के केंद्र बनना चाहिए और एआई के युग में विद्यार्थियों को परफॉर्मिंग की ओर ले जाना ही सबसे बड़ी पूंजी है।

इस अवसर पर विशेष रूप से प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, रजिस्ट्रार डॉ. ओमवीर सिंह, डीन एकेडमिक प्रो. रंजीत सिंह तोमर, डीन एकेडमिक प्रो. सोनिया जौहरी, डीन एसओईटी प्रो. मुकेश पांडे, डीन स्टूडेंट वेलफेयर तृप्ति पाठक सहित अन्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता विभाग के डॉ. मनीष जैसल ने किया।

450 बच्चों ने दी भारतीय संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुति

ग्वालियर। संस्कृति गुरुकुलम विद्यालय का वार्षिकोत्सव मुरार स्थित मदन मोहन गार्डन में आयोजित किया गया। जिसमें गुरुकुल के 450 बच्चों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित मनोहारी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में 3 वर्ष से लेकर 11 साल तक के बालक एवं बालिकाओं ने नृत्य एवं नाटक से मन मोह लिया। विशेषकर रानी लक्ष्मीबाई, ऑपरेशन सिंदूर, हनुमान चालीसा, सिविक सेंस, भगवान नरसिंह अवतार आदि प्रस्तुतियों को लोगों ने बहुत सराहा। समारोह के मुख्य अतिथि सीएसपी रॉबिन जैन थे। अतिथियों का स्वागत डायरेक्टर ऋषभ जैन ने किया।

आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

■ ग्वालियर

मप्र संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय आह्वान पर सोमवार को जिले के आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए। कर्मचारियों ने अपनी प्रमुख मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम डिप्टी कलेक्टर सुरेश कुमार बरादिया को ज्ञापन सौंपा। यह आंदोलन प्रांतव्यापी आंदोलन के प्रथम चरण के तहत प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया गया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष कोमल सिंह के नेतृत्व में पहुंचे कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार एवं विभाग द्वारा मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो 23 फरवरी को राजधानी भोपाल में हजारों की संख्या में कर्मचारी एकत्रित होकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन एवं नारेबाजी करेंगे तथा उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद 24 फरवरी को स्वास्थ्य संचालनालय पर प्रदर्शन कर न्याय यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री से गुहार लगाई जाएगी।

संपादकीय

अमरीका में भारतीयों के बुरे दिन

2023 में अमरीका के कोलेरेडो विश्वविद्यालय में एक दम्पति, आदित्य प्रकाश और उर्मि भट्टाचार्य पीएच.डी. कर रहे थे। वे वहां अपना लंच ओवन में गर्म कर रहे थे। खाने में पालक-पनीर था। लेकिन विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने उन्हें खाना गर्म करने से रोक दिया। उनका कहना था कि इसमें से बदबू आ रही है, इसलिए इसे यहां गर्म नहीं किया जा सकता। यह भी कि हम तो यहां ब्रोकली भी गर्म नहीं करने देते। इस बात की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन से की गई। उर्मि वहां शिक्षिका भी थीं। उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। दोनों को पीएच.डी. की डिग्री भी नहीं दी गई। तब इन दोनों ने न्यायालय में शिकायत की कि मामूली-सी बात को इतना बड़ा बना दिया गया। उन्हें तरह-तरह से तंग किया गया और डिग्री भी नहीं मिली। अदालत ने प्रशासन को आदेश दिया कि इस दम्पति को दो लाख डालर मुआवजे के रूप में दे। उनकी पीएच.डी. की डिग्री भी दी गई। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने हमेशा के लिए अपने यहां उन्हें बैन कर दिया। जिस मामले में इन दोनों का कोई दोष नहीं था, उसके लिए इन्हें इस तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ा। याद रहे कि यह ट्रम्प के दोबारा सत्ता में आने से पहले की बात है। इन दिनों वहां प्रशासन लगातार भारतीयों पर हमलावर है। कहा जा रहा है कि नौकरियां सिर्फ अमरीकी लोगों को ही दी जाएं। इनमें भी बिना कहे गोरों को प्राथमिकता दी जाए। पिछले दिनों टैक्सास विश्वविद्यालय में भी ऐसी ही गाइडलाइंस भेजी गईं। अब तक लोग समझ रहे थे कि एच1 बी वीजा के शिकार सिर्फ आई.टी. सैक्टर के लोग ही बनेंगे, मगर अब यूनिर्वसिटीज भी इससे नहीं बच रहीं। जिस अमरीका ने पूरी दुनिया को अस्मिता मूलक विमर्श के चश्मे से देखने की आदत डाल दी, अब वही इससे पांव खींच रहा है। वे इस बात को मानने के लिए तैयार ही नहीं हैं कि यदि अमरीका में लोग इतने ही मेहनती होते, तो बाहर के लोगों को बुलाने की जरूरत ही क्यों पड़ती। कुछ समय पहले बिल गेट्स ने कहा था कि अगर हम भारतीयों को रोकेंगे, तो वे अपना गूगल खुद बना लेंगे। लेकिन नफरती नेताओं को यह बात भला क्यों समझ में आने लगी। प्रशासन की शह पाकर इन दिनों अमरीका में भारतीयों के खिलाफ लगातार घृणा फैलाई जा रही है। उन पर हमले बोले जा रहे हैं। पीछा किया जा रहा है। बच्चों को स्कूलों में परेशान किया जा रहा है। लोग दीवाली मनाने की शिकायत कर रहे हैं। भारतीयों के खिलाफ नारे लगाए जा रहे हैं कि अपने देश वापस जाओ। उनके बारे में तरह-तरह के दुष्प्रचार किए जा रहे हैं कि वे गोबर खाते हैं। गौ मूत्र पीते हैं। वे अमरीका को बर्बाद करने के लिए आए हैं। यह कोई नई बात नहीं है। कई साल पहले पोलैंड में घूमते एक भारतीय को एक अमरीकी ने रोककर कहा था कि तुम यहां भी आ पहुंचे। अपने देश वापस जाओ। दरअसल जब सरकारों के पास अपने वोटरों को देने के लिए कुछ नहीं होता, तो वे वैमनस्य के विचारों और नारों को हवा देती हैं। लोगों को एक-दूसरे से लड़वाकर नेता चांदी काटते हैं। जोहरान ममदानी जब न्यूयार्क के मेयर का चुनाव जीते, उस समय यह लेखिका न्यूयार्क में ही थी। जिस वर्ल्ड ट्रेड सैंटर को 9/11 को तोड़ा गया था, वह अब दोबारा बन गया है। उसके नीचे खड़ी यही सोच रही थी कि इसे तोडने में आप्रवासियों का ही हाथ बताया गया था लेकिन अब क्या हुआ कि ममदानी के खिलाफ लगातार दिए बयानों के बावजूद, वह जीत गए। ध्यान से देखें, तो न्यूयार्क में बाहर से आए लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। पिछले दिनों जिस तरह से आप्रवासियों को निशाना बनाया गया, इससे उनमें असुरक्षा की भावना बढ़ी। उन्हें लगा कि ममदानी उनके पक्ष में लगातार बोलते हैं, उनकी समस्याओं को उठाते हैं, इसलिए उन्हें जिता दिया। अमरीका, अमरीकी लोगों के लिए ही है, यह बात तो ठीक है, लेकिन खुद अमरीका के गोरे वहां के मूल निवासी नहीं हैं। वे भी बाहर से आए और उन्होंने वहां के मूल निवासियों को तहस-नहस कर दिया। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन का जो नारा दिया गया है, अर्से से भारतीय उसी में योगदान दे रहे हैं। सिलिकॉन वैली को सफल बनाने में भारतीयों का ही बड़ा हाथ है। भारतीय डाक्टरों को अमरीका में बहुत पसंद किया जाता है, क्योंकि उनके बारे में माना जाता है कि वे मरीजों की बात सुनते हैं, उन्हें ढांढस भी बंधाते हैं। जबकि अमरीका में आम डाक्टर का 3 महीने से पहले टाइम भी मिलना मुश्किल होता है। अस्पताल में जाना पड़े, तो बहुत देर बाद ही चिकित्सकीय सहायता मिल पाती है। इन सब बातों को देखकर सत्तर के दशक की याद आती है। जब युगांडा के राष्ट्रपति ईदी अमीन ने पीढ़ियों से रह रहे भारतीयों को वहां से खदेड़ा था। उनके बैंक अकाऊंट भी फ्रीज कर दिए गए थे। उस समय ईदी अमीन के अत्याचार बहुत सुर्खियां भी बने थे। अमरीका एक उदार देश रहा है। उसकी यही छवि उसे महान भी बनाती है। लेकिन ऐसा महसूस होता है कि पूरे विश्व में अब उदारता के दिन लद गए हैं।

तमिलनाडु का राजनीतिक परिदृश्य अभी धुंधला

> मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्रमुक का नेतृत्व करना और इस गठबंधन को बनाए रखना जारी रखे हुए हैं। जे. जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। यह आंतरिक संघर्षों का सामना कर रही है, जो इसकी स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। इस बीच, टी.टी.वी. दिनाकरण, ओ. पनीरसेल्वम और शशिकला के निष्कासन इन मुद्दों को उजागर और अन्नाद्रमुक को प्रभावित करते हैं। वहीं, अभिनेता विजय द्वारा शुरू की गई नई राजनीतिक पार्टियों पर सबका ध्यान जा रहा है। 2004 से सहयोगी होने के बावजूद, कांग्रेस और द्रमुक के बीच संबंधों में हाल ही में कुछ उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। अब, 2026 के चुनावों से पहले, कांग्रेस ने सत्ता में हिस्सेदारी की मांग की है, जो उन आंतरिक संघर्षों को उजागर करती है, जो उनकी रणनीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। ओ. पनीरसेल्वम को अभी तक ऐसी कोई पार्टी नहीं मिली, जो उन्हें स्वीकार करे।

कल्याणी शंकर

जैसे-जैसे तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, मुख्य राजनीतिक दलों में 2 गठबंधन प्रमुख हैं- कांग्रेस और वाम दलों के साथ सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन और विजय द्वारा शुरू की गई नई राजनीतिक पार्टियों पर सबका ध्यान जा रहा है। 2004 से सहयोगी होने के बावजूद, कांग्रेस और द्रमुक के बीच संबंधों में हाल ही में कुछ उतार-चढ़ाव देखे गए हैं। अब, 2026 के चुनावों से पहले, कांग्रेस ने के लिए मुलाकात की लेकिन सीट बंटवारे पर कोई समझौता नहीं हो सका। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करते हुए कहा, हम सत्ता में हिस्सेदारी के लिए लडना जारी रखेंगे

अन्नाद्रमुक गठबंधन। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन द्रमुक का नेतृत्व करना और इस गठबंधन को बनाए रखना जारी रखे हुए हैं। जे. जयललिता के निधन के बाद अन्नाद्रमुक अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रही है। यह आंतरिक संघर्षों का सामना कर रही है, जो इसकी स्थिरता के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। इस बीच, टी.टी.वी. दिनाकरण, ओ. पनीरसेल्वम और शशिकला के निष्कासन इन मुद्दों को उजागर और अन्नाद्रमुक को प्रभावित करते हैं। वहीं, अभिनेता सत्ता में हिस्सेदारी की मांग की है, जो उन आंतरिक संघर्षों को उजागर करती है, जो उनकी रणनीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। ओ. पनीरसेल्वम को अभी तक ऐसी कोई पार्टी नहीं मिली, जो उन्हें स्वीकार करे। द्रमुक कभी भी सत्ता सांझी करने (पावर-शेयरिंग) पर सहमत नहीं हुई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और द्रमुक नेता कनिमोझी ने बुधवार को 10 जनपथ पर आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव तथा उनकी गठबंधन राजनीति पर चर्चा करने

और हम इसे हासिल करेंगे। यह कांग्रेस नेताओं के संकल्प को दशार्ता है। राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते द्रमुक नेता कनिमोझी के साथ बैठक के दौरान भी यह मुद्दा उठाया था। हालांकि, द्रमुक ने इस विचार को खारिज कर दिया है। द्रमुक ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह कांग्रेस को कैबिनेट सीट नहीं देगी। हालांकि, इसने गठबंधन जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। द्रमुक कांग्रेस को मनाने के लिए राज्यसभा सीट की पेशकश कर रही है। फिर भी, कांग्रेस को बेहतर की उम्मीद है। गठबंधन में अधिक सीटों और शक्ति के लिए पार्टी की मांगें स्थिरता के महत्व और चुनाव परिणामों को आकार देने में गठबंधनों की भूमिका को रेखांकित करती हैं। द्रविड़ पार्टियां अक्सर वोटों के लिए छोटे सहयोगियों पर निर्भर रहती हैं लेकिन सत्ता सांझी करने का विरोध करती हैं। उदाहरण के लिए, पिछले जून में, अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा था कि कोई सत्ता-सांझाकरण समझौता नहीं होगा, उनका तर्क था कि गठबंधन सरकारें तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति के अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने एकल-पार्टी शासन के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। एन.डी.ए. की सीट-सांझाकरण योजना नए विचारों की खोज से हटकर उन्हें लागू करने की दिशा में बदलाव दिखाती है। रणनीति में बदलाव करते हुए, एन.डी.ए. अब केवल विस्तार करने की बजाय अधिक सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। एन.डी.ए. द्रमुक विरोधी वोट हासिल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें अन्नाद्रमुक मुख्य पार्टी और भाजपा प्रमुख समर्थक के रूप में होगी। एन.डी.ए. ने विधानसभा चुनावों के लिए अपनी संभावनाओं में सुधार किया है। सीटें जीतना उम्मीदवारों के चयन, उनकी गुणवत्ता और प्रभावशीलता एवं बूथ रणनीति पर निर्भर करता है। अन्नाद्रमुक नेता ई. पलानीस्वामी ने पार्टी एकता के महत्व पर जोर देते हुए ओ. पनीरसेल्वम और टी.टी.वी. दिनाकरण को अस्वीकार करना जारी रखा है। ओ.पी.एस. एन.डी.ए. में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं, चाहे वह ए.एम.एम.के. के माध्यम से हो या अन्नाद्रमुक में लौटकर। मुख्य सवाल यह है कि क्या अन्नाद्रमुक ओ.पी.एस. का वापस स्वागत करेगी या उन्हें किनारे कर देगी और क्या राजनीतिक स्थिरता और प्रासंगिकता को लेकर चिंताएं हैं? एक अन्य दिलचस्प पहलू यह है कि लोकप्रिय अभिनेता विजय ने 2024 में अपनी राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेत्री कडगम (टी.वी.के.) लॉन्च की और उसके तुरंत बाद घोषणा की कि वह राजनीति में पूर्णकालिक रूप से आने के लिए फिल्मों से संन्यास ले लेंगे। उन्होंने कहा कि इस महीने आने वाली उनकी फिल्म जन नायकन उनकी विदाई रिलीज होगी। 51 साल की उम्र में, यह सितारा एक सफल फिल्मी करियर से पीछे हट रहा है, जिसे छोडने में कई अभिनेता संकोच करेंगे। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय सितारों में से एक बने हुए हैं। वह त्यौहारों पर फिल्मों की रिलीज को बढ़ावा देने में मदद करते हैं और सैटेलाइट अधिकारों, संगीत और मर्चेंडाइज के माध्यम से वैश्विक तमिल समुदाय के लिए राजस्व उत्पन्न करते हैं। विजय की पार्टी आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में स्थापित दलों, द्रमुक और अन्नाद्रमुक के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। उनकी पार्टी का लक्ष्य द्रमुक और अन्नाद्रमुक दोनों को चुनौती देना और अकेले चुनाव लडने की योजना है। विजय का एक बड़ा प्रशंसक आधार है। उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात की थी लेकिन वे किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

क्या ट्रम्प विश्व युद्ध के भयंकर परिणामों से परिचित हैं?

> दादागिरी सब देशों पर भारी है लेकिन विश्व के राजनेता उन देशों की लिस्ट तो निकाल कर पढ़ें जिन्हें अमरीका की दादागिरी ने तबाह कर दिया। अमरीका की विस्तारवादी राजनीति आज दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की ओर धकेल रही है। वेनेजुएला, जो एक प्रभुसत्ता-सम्पन्न राष्ट्र है, उसके राष्ट्रपति और उनकी धर्मपत्नी को हाथों-पैरों में बेडियां डाल कर अमरीका की खतरनाक जेल में बंद कर देना, एक घृणित दादागिरी है। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया कि भारत अपनी तेल आपूर्ति के लिए, रूस से पैट्रोल-डीजल खरीद रहा है। एक अन्य देश ग्रीनलैंड पर इसलिए अमरीका अपना कब्जा जमाना चाहता है क्योंकि ग्रीनलैंड की सीमा अमरीका से लगती है। तेल की खातिर ईरान में आग लगा रखी है। आज तक 2500 लोग ईरान के इन दंगों में अपनी जान गंवा चुके हैं। अमरीका ईरान में उपद्रवियों की पीठ थपथपा रहा है।
> डोनाल्ड ट्रम्प का ताली बजाना, दोनों मुट्ठियों को बंद कर हवा में लहराना यही इंगित करता है कि आज दुनिया में कोई अमरीका का मुकाबला नहीं कर सकता। अमरीका ने अपनी तेल की भूख मिटाने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध में घी डाल रखा है।
> दुनिया सुन रही है कि ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं लेकिन ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त क्यों करवाएंगे? ट्रम्प भारत के विरुद्ध बंगलादेश और पाकिस्तान की पीठ थपथपा रहे हैं।

मोहन लाल

ट्रम्प की बाडी-लैंग्वेज से तो नहीं लगता कि उन्हें युद्ध के भयानक परिणामों का ज्ञान हो। यह तो ठीक है कि अमरीका की राजनीतिक- दादागिरी सब देशों पर भारी है लेकिन विश्व के राजनेता उन देशों की लिस्ट तो निकाल कर पढ़ें जिन्हें अमरीका की दादागिरी ने तबाह कर दिया। अमरीका की विस्तारवादी राजनीति आज दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की ओर धकेल रही है। वेनेजुएला, जो एक प्रभुसत्ता-सम्पन्न राष्ट्र है, उसके राष्ट्रपति और उनकी धर्मपत्नी को हाथों-पैरों में बेडियां डाल कर अमरीका की खतरनाक जेल में बंद कर देना, एक घृणित दादागिरी है। भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ इसलिए लगाया कि भारत अपनी तेल आपूर्ति के लिए, रूस से पैट्रोल-डीजल खरीद रहा है। एक अन्य देश ग्रीनलैंड पर इसलिए अमरीका अपना कब्जा जमाना चाहता है क्योंकि ग्रीनलैंड की सीमा अमरीका से लगती है। तेल की खातिर ईरान में आग लगा रखी है। आज तक 2500 लोग ईरान के इन दंगों में अपनी जान गंवा चुके हैं। अमरीका ईरान में उपद्रवियों की पीठ थपथपा रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प का ताली बजाना, दोनों मुट्ठियों को बंद कर हवा में लहराना यही इंगित करता है कि आज दुनिया में कोई अमरीका का मुकाबला नहीं कर सकता। अमरीका थानेदार है और दुनिया को उसका हुक्म मानना ही होगा। जो नहीं मानेगा, उस देश का हाल वेनेजुएला जैसा होगा। अमरीका ने अपनी तेल की भूख मिटाने के लिए रूस-यूक्रेन युद्ध में घी डाल रखा है। दुनिया सुन रही है कि ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं लेकिन ट्रम्प रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त क्यों करवाएंगे? ट्रम्प भारत के विरुद्ध बंगलादेश और पाकिस्तान की पीठ थपथपा रहे हैं। पाकिस्तान के फील्ड-मार्शल मुनीर को राष्ट्रपति भवन में रात्रि भोज दे रहे हैं। तीनों देशों-भारत बंगलादेश और पाकिस्तान को एक-दूसरे से लड़ाने की योजना बना रहे हैं। यहीं बस नहीं, अमरीका ने झूठे आरोप लगा कर कि ईराक ने रासायनिक-औजार छिपा रखे हैं, ईराक के लोकप्रिय नेता निरपराध सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया था। लिबिया के तानाशाह कर्नल गद्दाफी को सन्देहास्पद परिस्थितियों में मार दिया गया। अमरीका ने सोमालिया, सीरिया, फिलिस्तीन में गाजा-पट्टी क्षेत्र को कब्रगाह बना दिया। इसराईल और हिजबुल्ला से सन्धि ही नहीं होने दी। पाठकवृंद, क्या आप जानते हैं कि 2025-26 में अमरीका का रक्षा-बजट 895 अरब डालर है जिसके बल पर अमरीका मेमने की तरह कभी भी किसी भी देश को झूठे इल्जाम लगा कर हड़प सकता है? अमरीका ने वियतनाम से लड़ाई लड़ी, अफगानिस्तान में वर्षों तालिबानों से युद्ध किया परन्तु दोनों देशों में उसकी शर्मनाक हार हुई। शायद अमरीका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प युद्ध के परिणाम नहीं जानते होंगे। उन्होंने किसी युद्ध का सामना किया होता तो यकीनन संभावित तृतीय विश्व युद्ध से तौबा कर लेते। युद्ध तो स्वयं एक समस्या है, वह समस्याओं को कैसे हल करेगा। युद्ध अपने पीछे तबाही के मंजर छोड़ जाता है। नौजवान सैनिक युद्ध में मारे जाते हैं। पीछे रह जाती हैं उनकी बेसहारा विधवाएं, बूढ़े, निरीह प्राणी और बिलखते बच्चे। विश्व युद्धों के बाद भयानक परिणाम होते हैं, जैसे बड़े पैमाने पर जन हानि, शारीरिक-क्षति, अर्थ-व्यवस्था का पतन, राजनीतिक उथल-पुथल, सामाजिक बदलाव, महिलाओं का हृदय-विदारक रूदन-क्रंदन, बच्चों की चीखो-पुकार, शरणार्थियों को बसाने की समस्या। साम्राज्य टूट जाते हैं, जैसे आटोमन और ऑस्ट्रो-हंगेरियन लापता हो गए, नए देश बनने लगते हैं, सीमाएं बदल जाती हैं जैसे पोलैंड, चेकोस्लोवाकिया की सरहदें बदल गईं। लोकतन्त्र एकात्मक शासन प्रणालियों में बदल गए। मनुष्य जिस स्थान पर नौकरी करता था अब उसकी विधवा काम कर रही है। युद्धों के बाद कई नए राजनीतिक विवाद पैदा हो जाते हैं। नए-नए युद्ध विस्फोटक तैयार किए जाने लगे। परमाणु बम इसी विश्व युद्ध का परिणाम था। हिरोशिमा और नागासाकी (जापान) अमरीकी परमाणु बम से तबाह हो गए। जापान ने आत्म-समर्पण कर दिया। विश्व युद्ध समाज को गहराई तक तोड़ देते हैं। मनुष्य आत्मिक तौर पर दुनिया में अमन-चैन चाहता है।

युद्ध मनुष्य में पाश्विक-वृत्तियों को जन्म देते हैं। इसलिए विश्व युद्ध जितना

कमजोरों के लिए खतरनाक रसूखदार लोग

> अब उस घटना के 17 साल बाद एपिस्टीन फाइलें जारी हुई तो पता चला यह लड़की जो कुछ बोल रही थी, वो पागलपन नहीं था। बल्कि उसमें काफी हद तक हकीकत भी थी। क्योंकि अब एपस्टीन और उनके तथाकथित बड़े ग्राहकों का शिकार कुछ लड़कियों ने सामने आकर हकीकत बयां की हैं। किसी ने बताया कि 10 साल की अबोध उम्र में उनके साथ दिन में तीन-तीन बार बलात्कार हुआ, तो किसी ने बताया कि कैसे पार्टियों के बहाने अमीर लोगों के सामने उन्हें पेश किया गया। बिल गेट्स की पत्नी रही मेलिंडा गेट्स ने भी एक साक्षात्कार में बताया है कि उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आता था कि बिल गेट्स एपस्टीन से मिलते थे। खुद मेलिंगा गेट्स केवल एक बार एपस्टीन से मिलीं और उन्हें काफी अफसोस हुआ कि उन्होंने यह मुलाकात की। मेलिंडा गेट्स ने एपस्टीन को घृणित और बुराई का साक्षात रूप बताया और कहा कि उस मुलाकात के बाद उन्हें बुरे सपने आते थे।बिल गेट्स से उनके तलाक के कारणों में एक वजह एपस्टीन से बिल गेट्स के संबंध भी थे। न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टिन फाइलों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र भी सैकड़ों बार किया गया है। ट्रंप की एपस्टीन से दोस्ती थी। लेकिन ट्रंप कहते हैं कि यह कई साल पहले खराब हो गई थी और उन्होंने एपस्टीन के यौन अपराधों के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के भी कई पुराने वीडियो आए हैं, जो नैतिकता के मापदंड पर खरे नहीं उतरते हैं। अब भले ही एपस्टिन से उनकी दोस्ती बरसों पहले खराब हो चुकी हो, लेकिन बेहतर यही होता कि ट्रंप अपने पद से इस्तीफा देकर खुद को निर्दोष साबित करने के लिए निष्पक्ष जांच का मौका दें। ध्यान रहे कि 10 अगस्त 2019 को एपस्टिन की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी और इसमें हत्या की साजिश देखी जा रही है।

अमेरिका के कुख्यात नाबालिग लड़कियों के यौन तस्कर जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी लाखों फाइलें अमेरिकी न्याय विभाग ने जारी की हैं। शुक्रवार को 30 लाख पेज, एक लाख 80 हजार तस्वीरें और दो हजार वीडियो सार्वजनिक रूप से पोस्ट किए गए। इन नए खुलासों में ऐसे घिनौने और भयानक अपराध सामने आए हैं, जिन्हें देखकर साधारण इंसान की रूह कांप जाए। ज्यादा डरावनी बात ये है कि एपस्टीन के साथ दुनिया भर के ऐसे नामी-गिरामी और रसूखदार लोगों के नाम जुड़े हैं, जो खुद को लोकतंत्र, उदारवाद, मानवाधिकारों के पैरोकार के तौर पर प्रस्तुत करते हैं। मगर हकीकत में वे कमजोर लड़कियों और बच्चों पर पैशाचिक अत्याचार करते हैं। सोशल मीडिया पर 2009 का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें गैब्रिएला रिको जिमेनेज नाम की मैक्सिकन मॉडल मैक्सिको के मॉन्टेरी में फिएस्टा के बाहर खड़ी होकर चिल्ला-चिल्लाकर बता रही है कि वह जैफ्री एपस्टिन से जुड़े एक मॉडलिंग आयोजन में गई थी जहां दुनियाभर के नेता और बिजनेसमैन पार्टी कर रहे थे और वो लोग श्वबच्चों के मांसश खा रहे थे। संभवतरू यह पहली बार था जब किसी ने एपिस्टन या उसके निजी द्वीपों पर हो रहे बच्चियों के बलात्कार और हत्या के आरोप लगाए थे। लेकिन पुलिस ने इस लड़की को मनोरोग का शिकार बताकर गिरफ्तार कर लिया गया और फिर यह लड़की कभी नहीं दिखी। अब उस घटना के 17 साल बाद एपिस्टीन फाइलें जारी हुई तो पता चला यह लड़की जो कुछ बोल रही थी, वो पागलपन नहीं था। बल्कि उसमें काफी हद तक हकीकत भी थी। क्योंकि अब एपस्टीन और उनके तथाकथित बड़े ग्राहकों का शिकार कुछ लड़कियों ने सामने आकर हकीकत बयां की हैं। किसी ने बताया कि 10 साल की अबोध उम्र में उनके साथ दिन में तीन-तीन बार बलात्कार हुआ, तो किसी ने बताया कि कैसे पार्टियों के बहाने अमीर लोगों के सामने उन्हें पेश किया गया। बिल गेट्स की पत्नी रही मेलिंडा गेट्स ने भी एक साक्षात्कार में बताया है कि उन्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं आता था कि बिल गेट्स एपस्टीन से मिलते थे। खुद मेलिंगा गेट्स केवल एक बार एपस्टीन से मिलीं और उन्हें काफी अफसोस हुआ कि उन्होंने यह मुलाकात की। मेलिंडा गेट्स ने एपस्टीन को घृणित और बुराई का साक्षात रूप बताया और कहा कि उस मुलाकात के बाद उन्हें बुरे सपने आते थे।बिल गेट्स से उनके तलाक के कारणों में एक वजह एपस्टीन से बिल गेट्स के संबंध भी थे। न्याय विभाग द्वारा जारी एपस्टिन फाइलों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जिक्र भी सैकड़ों बार किया गया है। ट्रंप की एपस्टीन से दोस्ती थी। लेकिन ट्रंप कहते हैं कि यह कई साल पहले खराब हो गई थी और उन्होंने एपस्टीन के यौन अपराधों के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप के भी कई पुराने वीडियो आए हैं, जो नैतिकता के मापदंड पर खरे नहीं उतरते हैं। अब भले ही एपस्टिन से उनकी दोस्ती बरसों पहले खराब हो चुकी हो, लेकिन बेहतर यही होता कि ट्रंप अपने पद से इस्तीफा देकर खुद को निर्दोष साबित करने के लिए निष्पक्ष जांच का मौका दें। ध्यान रहे कि 10 अगस्त 2019 को एपस्टिन की जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी और इसमें हत्या की साजिश देखी जा रही है। क्योंकि एपस्टिन अगर दोषी पाया जाता तो उससे जुड़े कई बड़े नामों पर भी आंच आ सकती थी। अभी के खुलासे के बाद भी कुछ बड़ी हस्तियों ने या तो माफी मांगी है या अपने पद से इस्तीफा दिया है। नॉर्वे की क्राउन प्रिंसेस मेटे-मैरिट ने एपस्टीन के साथ अपनी शर्मनाकश दोस्ती के लिए माफी मांगी है। नॉर्वे की प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने भी कहा है कि क्राउन प्रिंसेस ने गलत जजमेंट किया था। वहीं किंग चार्ल्स के भाई एंड्रयू का नाम भी आया तो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि उन्हें अमेरिकी न्याय विभाग में गवाही देने आना चाहिए। स्लोवाकिया सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने एप्सटीन से अपने संबंधों के सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया है। पीटर मैंडेलसन को पिछले साल एपस्टीन के साथ संबंधों के कारण वाशिंगटन में ब्रिटिश राजदूत के पद से हटा दिया गया था। अब उन्होंने रविवार को लेबर पार्टी छोड़ दी। अमेरिकी न्याय विभाग की फाइलों में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नाम भी आया है। जिसमें बताया गया है कि जेफ्री एपस्टीन ने 9 जुलाई 2017 को एक मेल में लिखा...भारतीय पीएम मोदी ने सलाह ली और अमेरिकी राष्ट्रपति के फायदे के लिए इजराइल में डांस किया और गाया। वो कुछ हफ्ते पहले मिले थे। ये काम कर गया। इसी पर अब कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं कि- श्याद रहे- पीएम मोदी 4 से 6 जुलाई 2017 के बीच इजराइल दौरे पर थे। इसके तीन दिन बाद एपस्टीन ने यह मेल लिखा है। इजराइल दौरे से ठीक पहले 25-26 जून 2017 को मोदी, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले थे। जेफ्री एपस्टीन के मेल की कड़ियों को जोड़ें तो समझ आता है कि मोदी, जून 2017 में अमेरिका गए और वहां एपस्टीन से सलाह ली। इसके एक हफ्ते बाद (4 से 6 जुलाई 2017) मोदी इजराइल पहुंचे और सलाह के मुताबिक- वहां नाचे और गाए और काम हो गया। अब साफ है कि प्रधानमंत्री मोदी का जेफ्री एपस्टीन से बहुत ही गहरा और पुराना नाता है, जो भारत के लिए शर्मनाक है। यह मामला राष्ट्रीय गरिमा और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का है, जिसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने तीन सवाल करते हुए लिखा, नरेंद्र मोदी, जेफ्री एपस्टीन से कैसी सलाह ले रहे थे? मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के किस फायदे के लिए इजराइल में नाच और गा रहे थे? एपस्टीन ने लिखा है- इट वर्क्ड.. तो इसका क्या मतलब है? हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने नरेंद्र मोदी और जेफ्री एपस्टीन की मुलाकात के दावों को खारिज किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि जुलाई 2017 में प्रधानमंत्री की इजराइल की आधिकारिक यात्रा के अलावा, ईमेल में बाकी बातें एक दोषी अपराधी की बेकार की बकवास से ज्यादा कुछ नहीं हैं। विदेश मंत्रालय जिन आरोपों को बकवास बता रहा है, क्या उसके लिए उसने अमेरिकी न्याय विभाग के सामने अपनी आपत्ति उठाई है। क्योंकि कांग्रेस के आरोप अमेरिकी सरकार द्वारा जारी फाइलों के आधार पर ही लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लिए अगर किसी शातिर अपराधी ने कोई बकवास की है, तो उसका माकूल जवाब क्यों नहीं दिया जा रहा। वैसे बेहतर तो यही रहता कि नरेन्द्र मोदी खुद इस्तीफा देकर इस मामले की निष्पक्ष जांच का रास्ता तैयार करते और निर्दोष साबित होकर शान से अपने पद पर वापिस आते। लेकिन अभी उनकी चुप्पी सौ सवाल उठा रही है।

तेज बफीर्ली हवाओं के साथ भारी बारिश से कांपा यूपी, 10 जिलों में ओलावृष्टि

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर मौसम ने अचानक करवट ले ली है। मंगलवार तड़के कानपुर, औरैया, जालौन समेत करीब 10 जिलों में तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। उन्नाव, चित्रकूट और इटावा में करीब आधे घंटे तक ओलावृष्टि हुई, जिससे सड़कों पर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई। बेमौसम बारिश और ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलें गिर गईं और किसानों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों में बारिश के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। अचानक बदले मौसम के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लोग घरों में दुबके रहे, जबकि जरूरी काम से बाहर निकलने वाले लोगों को छाता और रेनकोट का सहारा लेना पड़ा। वहीं, लखनऊ, अलीगढ़, मैनपुरी, बुलंदशहर समेत लगभग 20 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। बफीर्ली हवाओं के कारण ठंड एक बार फिर बढ़ गई है।

वेडिंग आउटफिट के साथ एथनिक ज्वेलरी लगती है परफेक्ट, मिलेगा महारानी लुक

शादी के मौके पर एथनिक ज्वेलरी दुल्हन की खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देती है। भारतीय दुल्हनों के लिए पारंपरिक गहनों का चयन उनकी ड्रेस और लुक को परफेक्ट बनाता है। एथनिक ज्वेलरी का चलन हमेशा खास रहता है, लेकिन अब इसके डिजाइन और स्टाइल में भी नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। जानिए एथनिक ज्वेलरी के लोकप्रिय प्रकार और ट्रेंड्स।

कुंदन ज्वेलरी

यह दुल्हनों के बीच हमेशा लोकप्रिय है। इसमें जड़े हुए कुंदन के पत्थर इसे रॉयल लुक देते हैं। लाल या हरे लहंगे के साथ कुंदन हार या मांगटीका का परफेक्ट कॉम्बिनेशन होता है।

पोल्की ज्वेलरी

कुंदन की तरह पोल्की भी अनकट डायमंड से बनी होती है। इसे हल्के और भारी दोनों लुक में पहना जा सकता है। ओवरलोड से बचें, एक स्टेटमेंट पीस चुनें और बाकी को हल्का रखें।

टेंपल ज्वेलरी

टेंपल ज्वेलरी दक्षिण भारतीय दुल्हनों के बीच काफी लोकप्रिय है। इसमें देवी-देवताओं की आकृतियां बनी होती हैं, जिससे एक रॉयल लुक मिलता है। इससे दुल्हन की खूबसूरतीऔर अधिक निखार जाती है है और उसका लुक हमेशा के लिए यादगार बना जाता है।

चोकर सेट

आजकल दुल्हनें चोकर सेट को पसंद कर रही हैं। इसे लहंगे और साड़ी दोनों के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

ओवरसाइज्ड नथ

ओवरसाइज्ड नथ एक मॉडर्न लेकिन ट्रेडिशनल टच देती है। मेकअप को ज्वेलरी के साथ बैलेंस करें।

मांगटीका और पासा

मांगटीका हर दुल्हन के लिए जरूरी है। इसके साथ पासा का उपयोग दुल्हन को मुगल लुक देता है। मॉडर्न और ट्रेडिशनल को मिक्स एंड मैच करके नया लुक बना सकते हैं।

ओक्सिडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी

हल्दी या मेहंदी फंक्शन के लिए ओक्सिडाइज्ड सिल्वर ज्वेलरी परफेक्ट रहती है। यह एक अनोखा और ट्रेंडी विकल्प है।

पायल और बिछुए

दुल्हन के लुक को पूरा करने के लिए यह जरूरी है। इसके बीना तो दुल्हन का लुक अधूरा लगता है

ध्यान में रखें ये बातें

- गोल्डन ज्वेलरी लाल, हरे और मैरून लहंगे के साथ अच्छी लगती है।

- सिल्वर या डायमंड ज्वेलरी पेस्टल शेड्स के साथ बेहतर दिखती है।

- गोल चेहरे पर लंबी ज्वेलरी और ओवल फेस पर चौड़ी ज्वेलरी ज्यादा आकर्षक लगती है।

- हल्दी या मेहंदी के लिए हल्की और ट्रेडिशनल शादी के लिए भारी ज्वेलरी चुनें।

सर्दियों में खूब खाते हो सरसों का साग, तो आज जान लें इसके नुकसान भी

सर्दियों की शुरूआत होते ही घरों में साग बनना शुरू हो जाता है। साल भर इसका इंतजार किया जाता है पर क्या आपको मालूम है कि साग को हर कोई नहीं खा सकता। सरसों का साग भले ही स्वादिष्ट होता है लेकिन फाइबर की मात्रा ज्यादा होने के कारण ये पचाने के लिए भारी होता है। यहां जानें किन लोगों को सर्दियों में

सरसों का साग नहीं खाना चाहिए और इसका क्या नुकसान होता है।

किन लोगों को करना चाहिए परहेज

जिन्हें पेट से जुड़ी समस्याएं हों: सरसों का साग भारी और गैस बनाने वाला हो सकता है। अगर किसी को एसिडिटी, पेट दर्द या इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम की समस्या है, तो उन्हें इसका सेवन कम करना चाहिए। साग को ज्यादा घी या मसालों के साथ पकाने से यह समस्या और बढ़ सकती है।

जिन्हें किडनी की समस्या हो: सरसों का साग ऑक्सालेट्स से भरपूर होता है, जो किडनी में पथरी (किडनी स्टोन) की समस्या को बढ़ा सकता है। किडनी के रोगियों को इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

थायरॉइड रोगियों को: सरसों में गॉयट्रोजेनिक पदार्थ होते हैं, जो थायरॉइड ग्रंथि की कार्यक्षमता को बाधित कर सकते हैं। थायरॉइड रोगियों को इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

जिन्हें एलर्जी हो: सरसों का साग कुछ लोगों में एलर्जिक प्रतिक्रिया पैदा कर सकता है, जैसे त्वचा पर रैशेज, गले में जलन या सांस लेने में दिक्कत।जिन लोगों को आयरन से जुड़ी कोई समस्या है, उन्हें यह साग सीमित मात्रा में खाना चाहिए।

सरसों का साग खाने के नुकसान

- अधिक मात्रा में खाने से अपच या भारीपन महसूस हो सकता है।

- ज्यादा तेल, मक्खन या मसालों के साथ पकाया गया साग मोटापा बढ़ा सकता है।

- कच्चे साग में मौजूद गॉयट्रोजेन थायरॉइड को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इसे अच्छी तरह पकाकर ही खाएं।

सावधानिया

- सरसों का साग पकाने से पहले इसे अच्छी तरह धो लें ताकि इसमें मौजूद गंदगी और कीटनाशक हट जाएं।

- इसे अन्य सागों (जैसे बथुआ, पालक) के साथ मिलाकर पकाएं ताकि संतुलित पोषण मिल सके।

- कम मसालों और घी का उपयोग करें।

नोट: यदि आपको ऊपर बताई गई समस्याओं में से कोई भी हो, तो सरसों का साग खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सर्दियों में खास तरह से रखना चाहिए बच्चों की नाजुक त्वचा का ध्यान, जानें सही तरीका

सर्दियों में बच्चों की त्वचा भी ठंड की वजह से काफी रूखी होने लगती है। ऐसे में आपको उनकी नाजुक त्वचा का खास तरह से ध्यान रखना चाहिए, जिसका सही तरीका हम आपको बताने जा रहे हैं। सर्दियों का मौसम शुरू होते ही लोग त्वचा के रूखेपन से परेशान होने लगते हैं। ऐसे में वो अपनी त्वचा का ध्यान रखने के लिए बाजार में मिलने वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, जोकि उनकी त्वचा को ग्लोइंग और चमकदार बनाने में मदद करते हैं। अपना ध्यान तो हम सभी रख लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सर्दी के मौसम में बच्चों को सबसे ज्यादा स्किन केयर की जरूरत होती है। यदि बच्चों की त्वचा का ध्यान सर्दी की शुरूआत में ही सही से नहीं रखा गया तो भरी सर्दी के बीच में परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में यदि आपके घर पर भी कोई छोटा बच्चा है तो सर्दियों में उसका ध्यान खासतौर पर रखें। हम यहां आपको बच्चों के स्किन केयर के लिए कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं, जो आपके लिए जानना बेहद जरूरी हैं।

कोल्ड क्रीम लगाएं

सर्दियों में हवा में नमी कम होती है, जिससे त्वचा सूखी हो सकती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा को मॉइश्चराइज रखने के लिए अच्छे मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें। ध्यान रखें कि बच्चों की त्वचा के लिए बाजार में अलग मॉइश्चराइजर मिलते हैं, जोकि बिना केमिकल के होते हैं। ये आपके बच्चे की त्वचा को हाइड्रेटेड और सॉफ्ट बनाए रखेंगे।

हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें

कभी भी बच्चे को ज्यादा तेज गर्म पानी से न नहलाएं। इससे त्वचा का नेचुरल ऑयल कम हो सकता है। ऐसे में बच्चे को हमेशा हल्के गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। गुनगुने पानी से नहलाने से एक तो बच्चे को ठंड नहीं लगेगी, वहीं साथ ही में उनकी त्वचा की नमी भी बरकरार रहेगी।

नहाने के बाद लगाएं मॉइश्चराइजर

बच्चे के नहाने के बाद उसकी त्वचा को अच्छी तरह से पोंछें और तुरंत मॉइश्चराइजर लगाएं ताकि नमी बनी रहे। यदि आप मॉइश्चराइजर नहीं लगाएंगे, तो बच्चे की स्किन अपने आप ड्राई होने लगेगी। कुछ दिनों में उनकी स्किन में पपड़ी भी जमने लगेगी।

गीले कपड़ों से रखें दूर

सर्दी में कपड़े सुखाना काफी मुश्किल काम होता है। ऐसे में गीले कपड़े या ज्यादा डायपर लगाने से बच्चे को ठंड लग सकती है, जिससे उनकी त्वचा पर रैशेज हो सकते हैं। इसलिए उन्हें हमेशा सूखे और नरम कपड़े पहनाएं। बच्चों के कपड़े को धूप में अवश्य सुखाएं, ताकि उसमें से सीलन भी निकल जाए।

सूरज की रोशनी से करें बचाव

अक्सर लोग सर्दी के मौसम में अपने बच्चे को नहलाकर धूप में बैठा देते हैं। जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। सर्दियों में सूरज की रोशनी भले ही हल्की लगती है, लेकिन बच्चे की त्वचा के लिए ये काफी हानिकारक होती है। ऐसे में बच्चे की त्वचा पर सनस्क्रीन का इस्तेमाल करने के बाद ही उन्हें धूप में बैठाएं।

डॉक्टर से जानिए इस दावे में कितनी सच्चाई

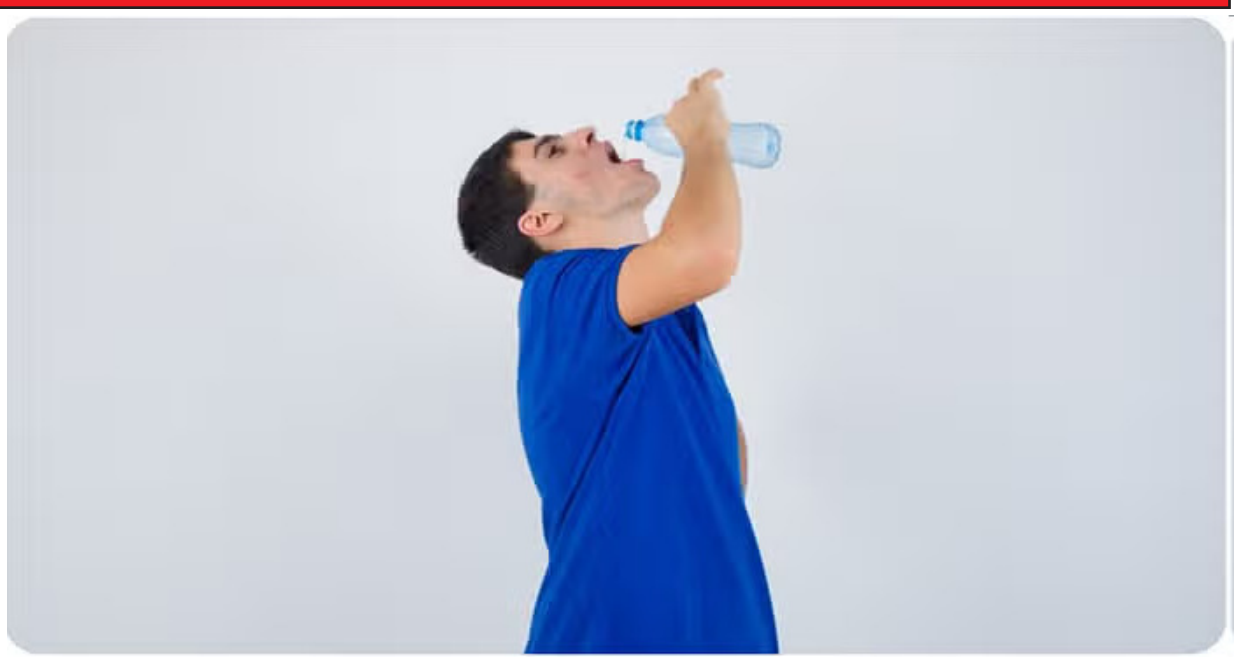

सोशल मीडिया पर वायरल एक पोस्ट में कहा जा रहा है कि अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो इससे घुटनों पर असर हो सकता है। क्या वास्तव में ऐसा है? शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए पौष्टिक आहार के साथ नियमित रूप से कम से कम तीन-चार लीटर पानी पीते रहने की सलाह दी जाती है। सभी उम्र वालों के लिए ये जरूरी है। जितना जरूरी नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना है उतना ही जरूरी है सही तरीके से पानी पीना। डॉक्टर कहते हैं, पानी हमेशा आराम की मुद्रा में बैठकर और धीरे-धीरे पानी चाहिए। पानी पीने के तरीके को लेकर सोशल मीडिया एक पोस्ट वायरल है जिसमें कहा जा रहा है अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो इसके कारण शरीर को कई नुकसान हो सकते हैं। वायरल पोस्ट में कहा जा रहा है कि अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो इससे घुटनों पर असर हो सकता है। इस आदत के कारण आर्थराइटिस होने का खतरा भी काफी बढ़ जाता है। क्या वास्तव में ऐसा है? क्या खड़े होकर पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक है? आइए इस बारे में जानते हैं।

खड़े होकर पानी पीने से घुटनों को नुकसान

सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान पहुंचता है। पानी सीधे घुटनों पर जमा होने लगता है जिससे आगे चलकर आर्थराइटिस होने का जोखिम बढ़ जाता है। इससे हृदय और फेफड़ों की समस्याएं भी हो सकती हैं। ये आदत किडनी को नुकसान पहुंचती है क्योंकि पानी बिना किसी फिल्टरेशन के शरीर से बाहर निकल जाता है। क्या वास्तव में इस दावे में सच्चाई है? आइए जानते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ आथोर्पेडिक डॉ राजेश चट्टे कहते हैं, इस बात का कोई सबूत नहीं है कि खड़े होकर पानी पीने से घुटनों को कोई नुकसान पहुंचता है। जोड़ों को नुकसान तब होता है जब जोड़ के हिस्से जैसे कार्टिलेज, लिगामेंट या हड्डी घिसने लगते हैं या इनमें किसी वजह से चोट लग जाती है। जोड़ों की समस्याओं का सबसे आम कारण ऑस्टियोआर्थराइटिस है, जो हड्डियों को सहारा देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज के घिसने की वजह से होता है। ये एक कुशन की तरह काम करता है जो हड्डियों को एक दूसरे से टकराने से बचाता है।

फिर कैसे फैली ये मिथ जानकारी?

डॉक्टर कहते हैं, खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान होने की बात संभवतः पारंपरिक या सांस्कृतिक प्रथाओं से उत्पन्न हुई होगी। संभवतः इस डर के माध्यय से लोगों को उचित मुद्रा में बैठने, धीरे-धीरे पानी पीने और पाचन को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया होगा। आमतौर पर बैठकर पानी पीना स्वास्थ्यवर्धक माना जाता है। यह पाचन और समग्र स्वास्थ्य को ठीक रखने में भी सहायक है। हालांकि ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि खड़े होकर पानी पीने से जोड़ों को नुकसान होता है।

आराम से पिएं पानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पानी धीरे-धीरे और आराम से बैठकर ही पानी चाहिए, ये सेहत को ठीक रखने में मददगार है। अच्छी सेहत के लिए रोजाना कम से कम तीन लीटर पानी पीने की आदत बनाएं।

रिश्ते में हंसी-मजाक भी बन सकता है विवाद की वजह

जानें किस हद तक करें तफरी

पति-पत्नी के रिश्ते में हंसी-मजाक जरूरी है। यह संबंधों में मजबूती लाता है, लेकिन कहीं आप का या उनका यह मजाक तंज का रूप तो नहीं ले रहा? नवीन और राधिका शादी के बाद से ही एक-दूसरे के हंसी-मजाक भरे व्यवहार के मुरीद थे। मगर शादी के दस साल बाद अब राधिका को नवीन का यह रवैया अच्छा नहीं लगता है। दरअसल, नवीन कई बार मजाकिया अंदाज में राधिका को ताने मार देता है, जो उसे पसंद नहीं आता और देखते-देखते दोनों के बीच बहस हो जाती है। नवीन और राधिका की तरह कहीं आपके रिश्ते में भी तो यह परेशानी नहीं आ रही?

मजाक के मायने

रिश्तों में हंसी-मजाक का बहुत महत्व है, क्योंकि इससे रिश्तों की दूरी कम होती है। मगर कई बार हंसी-मजाक गलतफहमी का कारण भी बन सकता है, खासकर तब, जब एक साथी भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर रहा हो। मजाक करना एक भाव है, जिसके कई मायने हैं। इसलिए किसी को अपमानित करना, किसी की बेबसी पर हंसी उड़ाना या किसी पर मनचाहा तंज करना कभी भी मुस्कुराहट की वजह नहीं बन सकता।

वाद हो, विवाद नहीं

अक्सर हम अपने इर्द-गिर्द ऐसे लोगों को देखते हैं, जो अपनी बात को किसी भी तरह से कह देते हैं और जब सामने वाले को बुरा लगता है तो उसे मजाक का नाम दे देते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि मजाक ऐसा हो, जिसमें बोलने और सुनने वाला, दोनों हंसें। ऐसा न हो कि सामने वाला आहत हो रहा हो। यह स्थिति रिश्तों में दरार लाती है और

मजाक विवाद का कारण बन जाता है।

पर्सनल अटैक नहीं

सोनाली की पुरानी सहेली टीना के घर में पार्टी थी। टीना का पति रोहन पार्टी में लेट आया। डिनर टेबल पर आते ही सोनाली ने कहा, ह्लरोहन, तुम लेट हो।ह्व इतने में टीना ने तपाक से कहा, ह्लइनका तो रोज का है।ह्व बात छोटी-सी थी, मगर दोनों की डिनर टेबल पर ही लड़ाई हो गई। टीना बोली, ह्लमैंने मजाक किया थाह्व, लेकिन रोहन को वह बेइज्जती लगी। पति-पत्नी का संबंध थोड़ा हंसी-मजाक तो एक-दूसरे को समझने-समझाने का भी है। ऐसे में कई बातें पर्सनल अटैक की तरह लगती हैं, इसलिए आपको समय और जगह का ध्यान रखना चाहिए।

संवेदनशील मुद्दे

कभी-कभी मजाक ऐसी बातों पर होता है, जो व्यक्ति के लिए संवेदनशील या व्यक्तिगत होती हैं, जैसे कि माता-पिता, भाई-बहन या फिर कोई करीबी। ऐसे में एक बार के लिए सामने वाला आपकी बातों को मजाक में उड़ा सकता है, लेकिन बार-बार कहना विवाद उत्पन्न करता है, जिससे रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथी को ठेस पहुंचती है और यह नोक-झोंक लड़ाई का रूप ले सकती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें।

स्पष्ट और ईमानदार संवाद

मनोवैज्ञानिक सीमा रहमान कहती हैं, पति-पत्नी का संबध हंसी-मजाक, नोक-झोंक और एक-दूसरे को समझने-समझाने का है। मगर इस रिश्ते में अक्सर हम बहुत-सी बातें, जो मन में चल रही होती हैं, जिनको हम कह नहीं पाते है, उनको मजाक में बोल देते हैं। वहीं अगर सामने वाले को बुरा लग जाता है तो कह देते हैं, ह्लअरे मैं तो मजाक कर रहा था या कर रही थी।ह्व लेकिन किसी भी रिश्ते में संवाद जितना स्पष्ट और ईमानदारी भरा होगा, वह रिश्ता उतना ही बेहतर रहेगा। इसलिए जो बातें आपको परेशान करती हैं, उन पर स्पष्ट बातचीत कीजिए, लेकिन घुमा-फिराकर या हंसी-मजाक का परदा डालकर बात मत कीजिए। आप दोनों के इस प्यार भरे बंधन में हंसी-मजाक रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए, बातों या भावनाओं पर पर्दा डालने के लिए नहीं।

2027 चुनाव से पहले बीजेपी की तैयारी, 15 दिनों में हो सकते बड़े बदलाव बीजेपी आ रही चुनावी मोड में

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी मोर्चों की टीम बदलने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक 15 दिन के भीतर पार्टी में बदलाव होने की संभावना है।एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद संगठन में बड़ा बदलाव किया जा सकता है। बीजेपी में जल्द ही अनुसूचित जाति मोर्चे, किसान मोर्चा, युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और अन्य मोर्चो के अध्यक्ष समेत टीम में बदलाव की संभावना है। इसी माह ये प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। मोर्चों में बदलाव होने के बाद पार्टी चुनावी मोड में जुट जाएगी। बीजेपी के मोर्चों के बदलाव में जातीय समीकरण का साधने पर जोर दिया जा सकता है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी कुर्मी समाज से आते हैं। पश्चिमी यूपी में जाट, ब्रज में यादव और ब्राह्मणों को समीकरण देखने को मिल सकता हैं।

टीम इंडिया पसंदीदा, पर कागजों पर कौन है सर्वश्रेष्ठ ?

इन आठ में से सात आंकड़ों पर भारत का दबदबा

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप को लेकर कयासों का बाजार गर्म हो चुका है। फैंस जानना चाहते हैं कि कौन सी टीम मजबूत है और कौन आंकड़ों में हावी है। इसी कड़ी में हम आपको वो आठ मापदंड बता रहे हैं, जिसके आधार पर हमने टीमों की तुलना की और जाना कि उनमें कौन सी टीम सबसे मजबूत है। टी20 विश्व कप के 10वें संस्करण की शुरूआत सात फरवरी से होने जा रही है। कुल 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। बांग्लादेश के बाहर होने और पाकिस्तान के ड्रामे के बीच यह टूनामेंट सुर्खियों में है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले ग्रुप मैच को खेलने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान को शायद भारत के खिलाफ विश्व कप में एक और हार का डर सता रहा है, यही वजह है कि उसने मैच के बहिष्कार का रास्ता चुना। भारतीय टीम ने 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था और इस बार डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में उतरेगी। टीम इंडिया टी20 में विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। पाकिस्तान को उसने वनडे और टी20, दोनों तरह के विश्व कप को मिलाकर 16 में से 15 बार हराया है और सिर्फ एक बार भारतीय टीम को हार मिली है। भारत उन तीन टीमों में शामिल है, जिसने टी20 विश्व कप दो-दो बार जीते हैं। टीम इंडिया के अलावा इस लिस्ट में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज हैं। इतना ही नहीं, भारत के पास टी20 में सबसे ज्यादा बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बनाने का भी रिकॉर्ड है। आइए टी20 की सबसे मजबूत टीम जानने के लिए इन आठ संभावित मानकों का विश्लेषण करते हैं और एक-एक कर जानते हैं कि हर आंकड़ों में कौन सी टीम सबसे मजबूत है... 1. टी20 विश्व कप का खिताब सबसे ज्यादा बार अब तक खेले जा चुके नौ संस्करणों में तीन टीमों ने दो-दो बार खिताब जीता है। इनमें वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और भारत शामिल हैं। टीम इंडिया मौजूदा डिफेंडिंग चैंपियन भी है। भारत ने 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरा खिताब अपने नाम किया था। अब तक छह अलग-अलग टीमें टी20 विश्व कप का खिताब जीत चुकी हैं। इनमें वेस्टइंडीज एकमात्र ऐसी टीम है, जिसने कभी भी टी20 विश्व कप का फाइनल नहीं हारा है। वहीं भारत और इंग्लैंड को एक-एक बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें दो-दो बार फाइनल हार चुकी हैं। इस तरह फाइनल हार के लिहाज से देखें तो वेस्टइंडीज, भारत और इंग्लैंड संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि पाकिस्तान और श्रीलंका दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। 2. टी20 में सबसे ज्यादा 200+ के स्कोर आदर्श रूप से क्रिकेट को बल्ले और गेंद के बीच संतुलन का खेल माना जाता है, लेकिन टी20 क्रिकेट आधुनिक दौर का ऐसा प्रारूप बन चुका है, जहां बल्लेबाजों का दबदबा साफ तौर पर नजर आता है। लगातार छक्के लगाना और बड़े स्कोर खड़े करना अब किसी भी मजबूत टीम की पहचान बन चुका है। टी20 क्रिकेट में इस पैमाने पर भी टीम इंडिया सबसे आगे है। भारत ने अब तक 46 बार 200 या उससे अधिक रन का स्कोर खड़ा किया है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम चार बार 250 से ज्यादा रन भी बना चुकी है, जो उसकी आक्रामक बल्लेबाजी की ताकत को दशार्ता है। दुनिया की कोई भी दूसरी टीम 200 से ज्यादा रन 30 बार भी नहीं बना सकी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने 28-28 बार 200+ का आंकड़ा पार किया है। वहीं वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीम सिर्फ दो-दो बार ही 250 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं। 3. टी20 में सबसे ज्यादा बार सफल 200+ रन का चेज क्रिकेट में पहली पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना अक्सर आसान माना जाता है, क्योंकि उस समय स्कोरबोर्ड का दबाव नहीं होता, लेकिन दूसरी पारी में बड़े लक्ष्य का पीछा करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। इस पैमाने पर भी टीम इंडिया सबसे आगे नजर आती है। भारत के खिलाफ 16 बार 200 से ज्यादा रन का लक्ष्य रखा गया। इन मुकाबलों में मेन इन ब्लू ने 10 बार 200+ रन बनाए और इनमें से रिकॉर्ड आठ मैच जीतने में सफलता हासिल की। यह आंकड़ा दबाव में शानदार प्रदर्शन करने की भारतीय टीम की क्षमता को दशार्ता है। भारत के बाद इस सूची में ऑस्ट्रेलिया का नाम आता है, जिसने सात बार 200+ लक्ष्य का सफल पीछा किया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने छह बार 200 से ज्यादा रन के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल किया है। 4. टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत वाली टीम अब तक खेले गए नौ टी20 विश्व कप में शीर्ष-आठ की लगभग सभी टीमों ने 45 से 55 मुकाबले खेले हैं। इन सभी टीमों के प्रदर्शन की तुलना करें तो टीम इंडिया का जीत प्रतिशत सबसे बेहतर रहा है। भारत ने 52 मैचों में से 35 मुकाबले जीते, जिससे उसका जीत प्रतिशत लगभग 67 प्रतिशत बनता है। इस मामले में भारत सभी टीमों से आगे है। टीम इंडिया के अलावा सिर्फ दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ही ऐसी टीमें हैं, जो टी20 विश्व कप में अपना जीत प्रतिशत 63 प्रतिशत से ऊपर बनाए रखने में सफल रही हैं। इस पैमाने पर देखें तो टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत का प्रदर्शन सबसे दमदार रहा है और जीत प्रतिशत के लिहाज से टीम इंडिया शीर्ष पर काबिज है। 5. टी20 में सबसे बेहतरीन जीत प्रतिशत वाली टीमें विश्व कप की तरह ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी टीम इंडिया ने अपनी दबदबा बनाए रखा है। दुनिया की सभी शीर्ष टीमों ने अब तक 200 से अधिक टी20 मुकाबले खेले हैं, लेकिन इनमें केवल भारत ही ऐसी टीम है, जिसका जीत प्रतिशत 60 प्रतिशत से ऊपर है। मेन इन ब्लू ने 268 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 67 प्रतिशत मुकाबले जीते हैं, जो इस फॉर्मेट में उनकी निरंतरता और मजबूती को दशार्ता है। अन्य टीमों की बात करें तो पाकिस्तान इस सूची में दूसरे स्थान पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर काबिज है। इस तरह कुल मिलाकर देखें तो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भी भारत का दबदबा साफ तौर पर नजर आता है। 6. टी20 में विदेशी धरती पर सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत क्रिकेट में विदेशी जमीन पर जीत हासिल करना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती माना जाता है, लेकिन इस मामले में भी टीम इंडिया सबसे आगे नजर आती है। भारत न सिर्फ इस सूची में नंबर-एक स्थान पर है, बल्कि टीम ने विदेशी जमीन पर खेले गए 165 मैचों में से 66 प्रतिशत मुकाबले जीतकर रिकॉर्ड कायम किया है। यह आंकड़ा भारत की निरंतरता और मजबूती को साफ तौर पर दशार्ता है। वहीं, दूसरे और तीसरे स्थान पर मौजूद पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका की टीमें अपने विदेशी दौरों में केवल 55-55 प्रतिशत मैच ही जीत सकी हैं। इस तुलना से साफ है कि विदेशी परिस्थितियों में भी भारतीय टीम का दबदबा बाकी टीमों से कहीं ज्यादा मजबूत रहा है। 7. टी20 में घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा जीत प्रतिशत आमतौर पर माना जाता है कि घरेलू मैदान पर मैच जीतना विदेशी दौरों की तुलना में आसान होता है, लेकिन टी20 क्रिकेट के नए दौर में ऐसा कहना अब मुश्किल हो गया है। इस बार विश्व कप भारत और श्रीलंका में आयोजित होना है, और ऐसे में घरेलू प्रदर्शन की अहमियत और भी बढ़ जाती है। घरेलू मैदान पर भी टीम इंडिया का रिकॉर्ड सबसे शानदार रहा है। भारत ने 103 मैचों में से 70 मुकाबले जीते, जिससे उसका जीत प्रतिशत लगभग 68 प्रतिशत बनता है। इस मामले में पाकिस्तान भारत के काफी करीब जरूर है, लेकिन फिर भी दोनों टीमों के बीच करीब 0.10 प्रतिशत का अंतर मौजूद है।

टी20 विश्वकप में कितनी बार भारतीय खिलाड़ी बने प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट कितने फाइनल में बने हीरो

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप के इतिहास में भारत का योगदान बेहद खास रहा है। भारत ने दो बार खिताब जीता, चार बार उसके खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट बने और कई फाइनल मुकाबलों में भारतीय सितारों ने हीरो बनकर टीम को गौरव दिलाया। विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी इस फॉर्मेट में भारत की पहचान बन चुके हैं। आने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय फैंस को ऐसे ही ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। आईसीसी टी20 विश्वकप की शुरूआत साल 2007 में हुई थी। पहला संस्करण दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। तब से साल 2024 तक नौ संस्करण खेले जा चुके हैं। देखते ही देखते यह टूनार्मेंट क्रिकेट की दुनिया का सबसे रोमांचक और लोकप्रिय फॉर्मेट बन गया। छोटे ओवर, तेज रफ्तार और हर गेंद पर बदलता मैच का रुख, यही टी20 की पहचान है। भारत उन चुनिंदा टीमों में शामिल रहा है, जिसने इस फॉर्मेट में न सिर्फ खिताब जीते बल्कि व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी गहरी छाप छोड़ी। टी20 विश्व कप 2026 की शुरूआत सात फरवरी से होने जा रही है। यह टी20 विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। भारत ने अब तक 2007 और 2024 में, यानी दो बार टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम किया है। 2024 में वेस्टइंडीज में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर भारत ने 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी सूखा भी खत्म किया था। कितनी बार भारतीय बने प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट? टी20 विश्वकप में प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंटका अवॉर्ड पूरे टूनार्मेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। इस मामले में भारतीय खिलाड़ी सबसे आगे रहे हैं। अब तक तीन बार भारतीय खिलाड़ियों ने यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है: विराट कोहली टी20 विश्वकप इतिहास के इकलौते खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो बार प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट बनने का गौरव हासिल किया। 2014 में उन्होंने भारत को लगभग अकेले दम पर फाइनल तक पहुंचाया, जबकि 2016 में उनकी कई बेहतरीन पारियों की बदौलत भारत सेमीफाइनल तक पहुंचा था। हालांकि, सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज से हारकर टीम इंडिया बाहर हो गई थी। वहीं 2024 में जसप्रीत बुमराह ने घातक गेंदबाजी से पूरे टूनार्मेंट में बल्लेबाजों को नाच नचा दिया।

2007 में इरफान पठान ने की थी घातक गेंदबाजी भारत जब-जब टी20 विश्वकप फाइनल में पहुंचा, वहां कुछ खिलाड़ियों ने यादगार प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया। दक्षिण अफ्रीका में खेले गए पहले टी20 विश्वकप के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराया। उस मुकाबले में इरफान पठान को शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। गेंद से उनका योगदान भारत की जीत की नींव बना। उस मैच में पठान ने नाबाद तीन रन बनाए थे, जबकि गेंद से उन्होंने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके थे। पठान ने शोएब मलिक, शाहिद अफरीदी और यासिर अराफात को आउट किया था। 2024 फाइनल- विराट कोहली और बुमराह का कमाल 2024 के फाइनल में विराट कोहली को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जबकि जसप्रीत बुमराह पूरे टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। इस तरह भारत के दो सितारों ने खिताबी जीत को ऐतिहासिक बना दिया। कोहली ने फाइनल में 59 गेंद में 76 रन की पारी खेली थी। वहीं, बुमराह ने अकेले दम पर मैच पलट दिया था। उन्होंने चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट झटके थे।

भारत से हारने का डर, इसलिए बॉयकॉट का बहाना

नई दिल्ली। संजय मांजरेकर का बयान सिर्फ एक राय नहीं, बल्कि दो दशकों के आईसीसी आंकड़ों और मौजूदा क्रिकेटिंग सच्चाई का निचोड़ है। भारत-पाकिस्तान राइवलरी अब बराबरी की नहीं रही। पाकिस्तान की गिरती ताकत और भारत का बढ़ता दबदबा इस बहस के केंद्र में है। भारत के खिलाफ मैच से बचने या बॉयकॉट की बातें दरअसल उसी डर की उपज हैं, जिसे आंकड़े और प्रदर्शन दोनों उजागर कर चुके हैं। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस चार दिन का वक्त रह गया है। सात फरवरी से शुरू हो रहे इस टूनार्मेंट से पहले पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। टूनार्मेंट के बहिष्कार की गीदड़भभकी से शुरू हुआ ड्रामा अब भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच के बहिष्कार पर आकर रुक गया है। भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार कर पाकिस्तान अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहा है। साथ ही 21वीं सदी में पाकिस्तान का आईसीसी टूनार्मेंट्स भी भारत के खिलाफ रिकॉर्ड यह बताता है कि पड़ोसी मुल्का का भारत से खेलने का डर जायज है। भारत के खिलाफ लगातार हार से डरा पाकिस्तान टीम इंडिया के खिलाफ लगातार हार ने उन्हें डरा दिया है और यही वजह है कि उसने बॉयकॉट का रास्ता अपनाया। अगर मैच ही नहीं होगा तो उनकी अपने मुल्क में थू-थू नहीं होगी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अऔरअ दिग्गज कमेंटेटर संजय मांजरेकर के हालिया वीडियो ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट बहस को फिर से गर्म कर दिया है। वीडियो में मांजरेकर का साफ कहना है कि अब पाकिस्तान भारत के खिलाफ खेलने से कतरा रहा है, और इसकी वजह कोई राजनीति नहीं बल्कि खेल का डर है। मांजरेकर के शब्दों में, 'सच्चाई ये है कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हराना अब उनके लिए असाधारण चुनौती बन चुका है।' भारत के खिलाफ मैच से बचने या बॉयकॉट की बात करना दशार्ता है कि पाकिस्तान खेल के मैदान में जवाब देने के बजाय बहाने तलाश रहा है। मांजरेकर ने 'महामुकाबले' पर सवाल खड़े किए भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले को वर्षों से महामुकाबला कहा जाता रहा है, लेकिन मांजरेकर ने इस धारणा पर सीधा सवाल खड़ा कर दिया है। मांजरेकर का कहना है कि अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं भी होता है, तो इससे न टूनार्मेंट की वैल्यू घटती है और न ही भारतीय क्रिकेट को कोई नुकसान होता है। मांजरेकर के शब्दों में, 'अगर भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होता है, तो कोई बड़ी बात नहीं है। सच कहूं तो काफी समय से असली मैच, मैच से पहले होने वाले हाइप और ड्रामे के आसपास भी नहीं पहुंच पाता।' 'भारत और पाकिस्तान अब क्रिकेट में एक स्तर पर नहीं' मांजरेकर का सबसे तीखा हमला इसी बिंदु पर है। उन्होंने साफ कहा कि भारत और पाकिस्तान अब क्रिकेट के एक ही स्तर पर नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'इसका कारण बिल्कुल साफ है। भारत और पाकिस्तान क्रिकेट के मैदान पर अब एक ही स्तर पर नहीं हैं। 90 के दशक में और उससे पहले दोनों के बीच क्रिकेट में मुकाबला मजेदार होता था, क्योंकि पाकिस्तान एक मजबूत टीम हुआ करती थी, लेकिन अब नहीं।' यह बयान भावनात्मक नहीं, बल्कि आंकड़ों और मौजूदा हालात पर आधारित नजर आता है। 'भारत की जीत अब आदत सी लगती है' संजय मांजरेकर ने अपने बयान में सबसे चर्चित तुलना भी की। उन्होंने कहा, 'आज जब भारत पाकिस्तान को हराता है, तो ऐसा लगता है जैसे भारत किसी कमजोर टीम को हरा रहा हो।' यह बात भले ही पाकिस्तान समर्थकों को चुभे, लेकिन पिछले दो दशकों के आईसीसी टूनार्मेंट रिकॉर्ड इस सोच को मजबूत करते हैं। वनडे विश्व कप, टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी, तीनों बड़े आईसीसी टूनार्मेंट्स में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बेहद एकतरफा रहा है। टी20 और वनडे, दोनों तरह के विश्व कप को मिलाकर भारत का पाकिस्तान के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-1 का है।

क्या पाकिस्तान से 2,288 करोड़ रुपये वसूलेगा आईसीसी ?

भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलना पीसीबी को पड़ेगा भारी

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान मुकाबला आईसीसी टूनार्मेंट की आर्थिक रीढ़ माना जाता है। टी20 विश्व कप में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी, प्रसारकों और खुद पाकिस्तान को अरबों रुपये का नुकसान हो सकता है। जहां भारत को वॉकओवर से अंक मिल सकते हैं, वहीं पाकिस्तान पर आर्थिक जुमार्ने और वैश्विक आलोचना का खतरा मंडरा रहा है। हाइब्रिड मॉडल की मौजूदगी के बावजूद बहिष्कार की राजनीति क्रिकेट से कहीं आगे की कहानी बयां कर रही है। आईसीसी टूनार्मेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं होता, बल्कि यह वैश्विक खेल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा आकर्षण माना जाता है। विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक, किसी भी आईसीसी इवेंट में भारत-पाकिस्तान मैच से करीब 25 करोड़ डॉलर (2288 करोड़ रुपये से अधिक) का राजस्व पैदा होता है। ऐसे में आगामी टी20 विश्व कप में अगर यह मुकाबला नहीं होता है, तो इसका असर सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आईसीसी, प्रसारकों और क्रिकेट बोर्डों की जेब पर सीधा पड़ेगा। हालांकि, आईसीसी पहले ही कह चुका है कि पीसीबी अगर नहीं खेलता है तो उसे इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। आईसीसी इस मैच के नहीं होने से होने वाले नुकसान की भरपाई पीसीबी से कर सकता है। ऐसे में पीसीबी पर बड़ा आर्थिक खतरा मंडरा रहा है। तनावपूर्ण रिश्ते, लेकिन ग्रुप में साथ क्यों? भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट लंबे समय से बंद है। दोनों टीमें केवल आईसीसी या एशिया कप जैसे बहु-टीम टूनार्मेंटों में ही आमने-सामने होती हैं। बावजूद इसके, इस मुकाबले का रोमांच इतना जबरदस्त होता है कि आईसीसी लगभग हर वैश्विक टूनार्मेंट में दोनों देशों को जानबूझकर एक ही ग्रुप में रखता है, ताकि दर्शकों और विज्ञापनदाताओं की दिलचस्पी बनी रहे। पाकिस्तान के बहिष्कार की घोषणा और नया विवाद इस पूरे मामले ने तब गंभीर मोड़ ले लिया जब पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में प्रस्तावित भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बहिष्कार की घोषणा कर दी। अगर पाकिस्तान अपने फैसले पर अड़ा रहता है, तो उसे ही सबसे बड़ा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की सालाना आय और इस एक मैच की कीमत में जमीन-आसमान का अंतर है। प्रसारकों पर सबसे बड़ा वार, जियोस्टार को झटका भारत-पाकिस्तान मैच नहीं होने की स्थिति में आईसीसी के साथ-साथ भारतीय मीडिया अधिकार धारक जियोस्टार को भी भारी नुकसान हो सकता है। बताया जा रहा है कि इस मुकाबले से 200 से 250 करोड़ रुपये तक का विज्ञापन राजस्व आता है। इस मैच के दौरान 10 सेकंड के विज्ञापन स्लॉट की कीमत करीब 40 लाख रुपये तक होती है। ऐसे में मैच रद्द होने का सीधा असर ब्रॉडकास्टिंग डील पर पड़ेगा, खासकर तब जब जियोस्टार पहले से ही आईसीसी के साथ अपने तीन अरब डॉलर के करार पर दोबारा बातचीत की कोशिश कर रहा है। वॉकओवर से अंक मिलेंगे, लेकिन जुमार्ना तय अगर पाकिस्तान इस मुकाबले में नहीं उतरता है और वॉकओवर की स्थिति बनती है, तो भारत को पूरे अंक जरूर मिल जाएंगे। हालांकि, आईसीसी के पास अब भी पीसीबी पर वित्तीय जुमार्ना लगाने का अधिकार रहेगा। यह फैसला आईसीसी की उस नीति के अनुरूप होगा, जिसमें चयनात्मक भागीदारी को टूनार्मेंट की भावना के खिलाफ माना जाता है। पूर्व आईसीसी अधिकारी का बड़ा बयान आईसीसी और पीसीबी के पूर्व संचार प्रमुख समी-उल-हसन बर्नी ने इस मैच के आर्थिक महत्व पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'जहां तक नुकसान की बात है, एक भारत-पाकिस्तान मैच की कीमत करीब 25 करोड़ डॉलर यानी 2,288 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। इसमें सिर्फ प्रसारक नहीं, बल्कि सभी आर्थिक पहलू शामिल हैं। पाकिस्तान की सालाना आय करीब 3.55 करोड़ डॉलर यानी 325 करोड़ रुपये की है, इसलिए अंतर बहुत, बहुत बड़ा है।' आईसीसी का सख्त रुखः चयनात्मक भागीदारी पर सवाल पाकिस्तान सरकार के फैसले के बाद आईसीसी ने भी सख्त शब्दों में प्रतिक्रिया दी। संस्था ने कहा, 'चयनात्मक भागीदारी का यह रुख किसी वैश्विक खेल आयोजन की मूल भावना के अनुरूप नहीं है, जहां सभी पात्र टीमों से तय कार्यक्रम के अनुसार समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा की अपेक्षा की जाती है।

टी20 विश्व कप से क्यों बाहर हुए पैट कमिंस ? टेस्ट क्रिकेट को बताई वजह

मेलबर्न। कमिंस को हालांकि उम्मीद है कि वह 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी करने के लिए समय पर फिट हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चोटिल होने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर होने का उनका फैसला आगामी टेस्ट सत्र के लिए पूरी तरह से फिट होने की इच्छा से भी प्रेरित था, जिसमें वह सभी मैच खेलना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट और वनडे के कप्तान कमिंस पीठ की चोट से पूरी तरह नहीं उबर पाने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए। उनकी जगह बेन ड्वार्शियस को टीम में शामिल किया गया है। टी20 विश्व कप सात फरवरी से शुरू होगा। कमिंस ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण था। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं, बस एक मामूली सी परेशानी हुई और उससे उबरने के लिए समय कम पड़ गया। मैं कुछ हफ्तों तक आराम करूंगा और फिर आगे की योजना बनाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'एडिलेड टेस्ट मैच के बाद हमें पता था कि चोट को पूरी तरह से ठीक होने में चार से आठ सप्ताह का समय लगेगा। शुरू में हमें लगा था कि इसमें चार सप्ताह ही लगेंगे, क्योंकि मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन अभी-अभी एक स्कैन करवाया है और चिकित्सकों का मानना है कि इसे पूरी तरह ठीक होने में कुछ सप्ताह और लगेंगे। इसलिए समय की थोड़ी कमी पड़ गई।' ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट मैचों का व्यस्त कार्यक्रम अगस्त से शुरू होगा, जब वह डार्विन और मैकाय में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच खेलेगा। इसके बाद वह सितंबर में टेस्ट और वनडे के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। ऑस्ट्रेलिया इसके बाद न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा और फिर पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगा

भारत से मैच का बहिष्कार करने पर हरकत में आया आईसीसी पीसीबी के साथ पर्दे के पीछे बातचीत जारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलने को लेकर आईसीसी ने पर्दे की पीछे पीसीबी से बातचीत शुरू कर दी है। दोनों टीमों के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में यह मुकाबला खेला जाना है। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। आईसीसी की भी इस मामले पर नजर है और न्यूज एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पर्दे के पीछे बातचीत शुरू कर दी है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होने से बड़ा नुकसान होने की संभावना है। इससे राजस्व पर भी प्रभाव पड़ेगा। क्या है मामला? टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर पाकिस्तान ने ड्रामा शुरू किया और पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बयान दिया कि उनकी टीम का खेलना सरकार के फैसले पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी और आईसीसी के खिलाफ भी बयान दिए थे। मोहसिन नकवी ने फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। पाकिस्तानी सरकार ने रविवार को इस बात की पुष्टि कर दी कि राष्ट्रीय टी20 विश्व कप में हिस्सा लेगी, लेकिन भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ नहीं खेलने का कोई कारण नहीं बताया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होने से विश्व क्रिकेट को 250 मिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के साथ बातचीत करने के आईसीसी के फैसले को कई अन्य क्रिकेट बोर्ड का समर्थन भी प्राप्त है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने से पाकिस्तान पर क्या कार्रवाई हो सकती है। लेकिन आईसीसी ने पीसीबी से स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपने फैसले को लेकर फिर से विचार करे क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। ग्रुप ए में शामिल है पाकिस्तान पाकिस्तान विश्व कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमे गत चैंपियन भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका भी मौजूद हैं।

भारत से मैच का बहिष्कार करने पर हरकत में आया आईसीसी पीसीबी के साथ पर्दे के पीछे बातचीत जारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप का मैच नहीं खेलने को लेकर आईसीसी ने पर्दे की पीछे पीसीबी से बातचीत शुरू कर दी है। दोनों टीमों के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में यह मुकाबला खेला जाना है। पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच खेलने से इनकार कर दिया है। आईसीसी की भी इस मामले पर नजर है और न्यूज एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ पर्दे के पीछे बातचीत शुरू कर दी है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होने से बड़ा नुकसान होने की संभावना है। इससे राजस्व पर भी प्रभाव पड़ेगा। क्या है मामला? टी20 विश्व कप में खेलने को लेकर पाकिस्तान ने ड्रामा शुरू किया और पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बयान दिया कि उनकी टीम का खेलना सरकार के फैसले पर निर्भर करेगा। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की थी और आईसीसी के खिलाफ भी बयान दिए थे। मोहसिन नकवी ने फिर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। पाकिस्तानी सरकार ने रविवार को इस बात की पुष्टि कर दी कि राष्ट्रीय टी20 विश्व कप में हिस्सा लेगी, लेकिन भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ नहीं खेलने का कोई कारण नहीं बताया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच नहीं होने से विश्व क्रिकेट को 250 मिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, पीसीबी के साथ बातचीत करने के आईसीसी के फैसले को कई अन्य क्रिकेट बोर्ड का समर्थन भी प्राप्त है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने से पाकिस्तान पर क्या कार्रवाई हो सकती है। लेकिन आईसीसी ने पीसीबी से स्पष्ट रूप से कहा है कि वह अपने फैसले को लेकर फिर से विचार करे क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। ग्रुप ए में शामिल है पाकिस्तान पाकिस्तान विश्व कप में ग्रुप ए में शामिल है जिसमे गत चैंपियन भारत, नामीबिया, नीदरलैंड और अमेरिका भी मौजूद हैं। पाकिस्तान इस टूनार्मेंट में अपने अभियान की शुरूआत सात फरवरी को नीदरलैंड के खिलाफ करेगा जिसके बाद उसका सामना 10 फरवरी को अमेरिका से होगा। फिर उसे 15 फरवरी को भारत के खिलाफ खेलना है, जबकि ग्रुप चरण का आखिरी मैच वह नामीबिया के खिलाफ खेलेगा।

फिर घटा यूरिया की बोरी का वजन,किसानों को राहत या आफत

लखनऊ,(संवाददाता)। यूरिया खाद की बोरी का वजन फिर से कम कर दिया गया है। किसानों को अब 45 किलो की जगह 40 किलो की यूरिया का कट्टा यानि बैग मिलेगा। खेतों में यूरिया के अनियंत्रित प्रयोग पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। अपने इस कदम को सरकार भले किसानों और खेती को राहत की बात कह रही है लेकिन इसे आफत माना जा रहा है। यूरिया को लेकर अक्सर मारामारी होती है।मुताबिक अधिसूचना गजट नोटिफिकेशन 40 किलो के नए यूरिया के पैकेट में 37 फीसदी नाइट्रोजन एवं 17 फीसदी सल्फर मिश्रित होगा जो फसलों को कहीं अधिक लाभ पहुंचाएगा। 40 किलो के पैकेट का मूल्य 254 रुपये निर्धारित किया गया है जबकि 45 किलो के पैकेट का दाम पूर्ववत 266 रुपये 50 पैसे है। सफ्लर मिश्रित होने के कारण नया यूरिया पैकेट अधिक प्रभावशाली है। 2018 के मार्च तक यूरिया के एक पैकेट का वजन 50 किलोग्राम हुआ करता था। उस समय यूरिया के कट्टे का वजन 50 किलोग्राम से घटाकर 45 किलोग्राम कर दिया गया और अब इसके एक बैग का वजन 40 किलोग्राम कर दिया गया है। प्रदेश में यूरिया खाद खपत प्रतिवर्ष करीब 65 लाख मीट्रिक टन है लेकिन विशेषज्ञों की माने तो यह अधिकतम उपयोग की स्थिति है।

इधर धुरंधर 2 का टीजर आउट, उधर मेकर्स की बढ़ी मुश्किलें, लोकेशन मैनेजर के खिलाफ हुई एफआईआर

रणवीर सिंह की सुपरहिट फिल्म धुरंधर के सीक्वल धुरंधर 2- द रिवेंज को लेकर दर्शकों की एक्साइटमेंट चरम पर है। 3 फरवरी 2026, मंगलवार को जैसे ही फिल्म का टीजर रिलीज हुआ, सोशल मीडिया पर फिल्म चर्चा का बड़ा विषय बन गई। इसी बीच फिल्म से जुड़ी एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है, जिसने मेकर्स की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ह्यधुरंधर 2ह्ल के लोकेशन मैनेजर के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धुरंधर 2 के लोकेशन मैनेजर रिंकू राजपाल वाल्मीकि के खिलाफ मुंबई में मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि साउथ मुंबई के हाई-सिक्योरिटी फोर्ट इलाके में बिना जरूरी अनुमति के ड्रोन उड़ाया गया। इस मामले में 1 फरवरी 2026 को एमआरए मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 223 के तहत केस दर्ज किया है, जिसमें अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने का आरोप लगाया गया है। जानकारी के अनुसार, जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन फिल्म की शूटिंग चल रही थी। संजय दत्त समेत पूरी यूनिट उस लोकेशन पर मौजूद थी और यह शूटिंग शेड्यूल का तीसरा दिन था। बताया जा रहा है कि 31 जनवरी को इस ऐतिहासिक इलाके को शूटिंग के लिए सजाया गया था, जिसे पाकिस्तान की पुरानी और भीड़भाड़ वाली जगह जैसा लुक दिया गया। इसी दौरान ड्रोन का इस्तेमाल किया गया, लेकिन नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया और संबंधित विभागों से अनुमति भी नहीं ली गई। विवाद के बीच मेकर्स ने ह्यधुरंधर द रिवेंजह्ल का दमदार टीजर रिलीज कर दिया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को हिंदी के साथ-साथ तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य धर ने किया है, जबकि इसे ज्योति देशपांडे, आदित्य धर और लोकेश धर ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ये नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी..धुरंधर 2 का दमदार टीजर जारी, पहले से भी खतरनाक अवतार में दिखे रणवीर

रणवीर सिंह की मोस्ट अवेटेड फिल्म धुरंधर 2 ने आज दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। हाल ही में धुरंधर द रिवेंज का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मच गई है। बीते दिन रणवीर सिंह ने टीजर को लेकर हिंट दिया था और सुबह उन्होंने फिल्म का पहला पोस्टर शेयर कर उत्सुकता और बढ़ा दी थी। अब टीजर देख फैंस फिल्म देखने के लिए इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। करीब 1 मिनट 12 सेकंड के इस टीजर की शुरूआत रणवीर सिंह के इंटेंस और खतरनाक लुक से होती है। छोटे बाल, भूरी आंखें और हाथ में बंदूक लिए उनका अंदाज पहले से कहीं ज्यादा सख्त नजर आता है। इसके बाद वह हमजा अली मजारी के किरदार में लंबे बालों के साथ दिखाई देते हैं। टीजर में साफ झलकता है कि इस बार हमजा की ताकत कई गुना बढ़ चुकी है और उसका गुस्सा भी पहले से ज्यादा घातक हो गया है। इसमें रणवीर सिंह के खुफिया एजेंट बनने से लेकर पाकिस्तान तक पहुंचने का सफर दिखाया जाएगा। टीजर में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर. माधवन की झलक भी देखने को मिलती है। अंत में रणवीर का दमदार डायलॉग बोलते हैं- ह्लये नया हिंदुस्तान है, ये घर में घुसेगा भी और मारेगा भीह्ल यह डायलॉग टीजर को और भी प्रभावशाली बना देता है। टीजर से पहले जारी किए गए पोस्टर में रणवीर सिंह हमजा अली मजारी के ताकतवर किरदार में नजर आए थे। लाल रंग के बैकग्राउंड में तेज बारिश के बीच उनका इंटेंस लुक फैंस को काफी पसंद आया। पोस्टर शेयर करते हुए रणवीर ने कैप्शन में लिखा था, ह्लअब बिगड़ने का वक्त आ गया हैह्ल मेकर्स ने यह भी कन्फर्म कर दिया है कि ह्यधुरंधर द रिवेंजह्ल 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चेहरा पूरा टूट गया था, 45 टांके लगे, सर्जरी के लिए लेना पड़ा था लोन..अमाल मलिक का शॉकिंग खुलासा, बयां किया संघर्ष

सिंगर-कंपोजर अमाल मलिक हाल ही में सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 19 में नजर आए थे, जहां वो अक्सर चौंकाने वाले खुलासे करते नजर आते थे। पर्सनल लाइफ के अलावा अमाल ने शो में कई बार अपनी शारीरिक बीमारियों के बारे में भी बात की थी। वहीं, अब हाल ही में एक इंटरव्यू में फिर अमाल मलिक ने शॉकिंग खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनका पूरा चेहरा टूट गया था और सर्जरी के लिए उन्हें लोन लेना पड़ा था। हाल ही में एक बातचीत में अमाल मलिक ने बताया कि मेरी कुछ सर्जरी होनी बाकी हैं, मेरे घुटने का एसीएल टूटा हुआ है। जब मैं 19 साल का था तब मेरी पूरी चीकबोन टूट गई थी और उसे दोबारा बनाना पड़ा था। मेरे जबड़े के आसपास 45 टांके लगे हैं, मेरा दाहिना कंधा डिसलोकेटेड है, मेरा बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया है और मेरी नाक टूटी हुई है। मैं टर्मिनेटर जैसा हूं। मैं हर दिन उठता हूं और काम करता हूं। यह मेरी मानसिक ताकत है जो मुझे आगे बढ़ाती है। अमाल ने आगे कहा-अब, मुझे धीरे-धीरे इन चीजों को ठीक करना है और उन पर काम करना है। शुक्र है, अच्छे नी ब्रेस हैं जो मुझे शो में परफॉर्म करने में मदद करते हैं। एक समय था जब मेरा पूरा घुटना घूम जाता था और अपनी जगह से हट जाता था, यह बिग बॉस 19 के फिनाले परफॉर्मेंस के दौरान हुआ था, जब मैंने एक डांस सीक्वेंस में टर्न लिया था, और मेरे घुटने में दर्द हो गया था। कुछ फिजिकल चीजें हैं जिन्हें ठीक करने की जरूरत है। उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे, अब मेरे पास समय नहीं है। सिंगर ने आगे बताया, ह्लसर्जरी महंगी हो गई हैं, अपने चेहरे की सर्जरी करवाने के लिए, मुझे सिर्फ मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के लिए 5 लाख रुपये का लोन लेना पड़ा था। मेरी दाहिनी तरफ की खोपड़ी टूट गई थी, और मैंने इस सब के बावजूद काम किया है। मेरे 12वीं के एग्जाम के दौरान, मेरा पूरा चेहरा टूट गया था, मैंने एक डिवाइस की मदद से 3-4 घंटे तक अपनी आंखें खुली रखीं और पेपर लिखे, मैंने सभी शारीरिक और भावनात्मक मुश्किलों का सामना किया है। मैं बस सब कुछ ठीक कर रहा हूं। मेरी 35 साल की उम्र बीत गई है, क्योंकि यह लड़ाई तब शुरू हुई थी जब मैं पांच साल का था।

मृणाल ठाकुर ने प्यार को बताया खूबसूरत एहसास, कहा- इस धरती पर हर किसी को..

एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अक्सर एक्टर धनुष संग अफेयर की खबरों को लेकर चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि दोनों एक-दूजे को डेट कर रहे हैं और जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि, धनुष के करीबी सूत्र ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया था। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में जब मृणाल से प्यार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बहुत ही खूबसूरत जवाब दिया। हाल ही में इंटरव्यू में प्यार की परिभाषा देते हुए मृणाल ठाकुर ने कहा कि उन्हें लगता है कि प्यार एक खूबसूरत एहसास है। इस धरती पर हर किसी को इसका अनुभव होना चाहिए। ये आपको बेहतर इंसान बनाता है। ये सचमुच एक री-पैरेंटिंग और अपने अंदर के बच्चे की समस्याओं को सुलझाने जैसा है। ये दुनिया की सबसे खूबसूरत चीज है। आगे एक्ट्रेस ने कहा-मैं सच में प्रार्थना करती हूं और आशा करती हूं कि हर किसी को अपनी लाइफ में प्यार मिले। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या प्यार में डूबीं महिलाएं ज्यादा दयालु हो जाती हैं? तो उन्होंने कहा, ऐसा जरूरी नहीं है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। प्यार में सबसे जरूरी है उसे स्वीकार करना। कभी-कभी प्यार पाना और उसे स्वीकार करना बहुत मुश्किल हो जाता है। मृणाल ने कहा कि प्यार ही एकलौती स्थिर चीज है। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे पाते हैं। एक प्रेमी होती है, एक प्रेमिका होती है। जब कोई प्यार में होता है तो वो देने वाला होता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो महिला है या पुरुष। वो कहती हैं, जब प्यार होता है तो आप उस इंसान के लिए कुछ भी करते हैं। आप खुद को समर्पित कर देते हैं। काम की बात करें तो मृणाल ठाकुर जल्द ही दो दीवाने सहर में में नजर आएंगी। इसमें उनके साथ सिद्धांत चतुर्वेदी हैं। ये रोमांटिक ड्रामा 20 फरवरी 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

पहली बार सफेद बालों और मूछों में नजर आए अनिल कपूर, सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी तस्वीर

जहां लोग अपनी बढ़ती उम्र में आने वाले सफेद बालों लेकर शर्मिंदा महसूस करते हैं, उन्हें हेयर कलर्स से छिपाते हैं। वहीं, बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर अपने ग्रे हेयर्स को लेकर खुलकर सामने आए हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक लेटेस्ट फोटो शेयर की हैं, जिसमें वह अपने सफेद बालों को पूरे स्टाइल और कॉन्फिडेंस से फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। उनकी ये तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो गई। फैंस से लेकर सेलेब्स तक अब इस पर खूब रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं। 69 साल के अनिल कपूर अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें वह सफेद बालों और मूंछों के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर में उनका अंदाज काफी गंभीर और इंटेंस दिख रहा है। इस फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ह्लकोई नहीं जानता३ आगे क्या होने वाला हैह्ल अनिल कपूर का यह ग्रे लुक देखते ही देखते सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अनिल कपूर के इस बदले हुए अंदाज पर फैंस की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई। कई लोगों ने फायर और हार्ट इमोजी के जरिए उनके नए लुक को ह्लझक्कासह्ल बताया, तो कुछ फैंस इस ट्रांसफॉर्मेशन को देखकर हैरान नजर आए। एक्टर दर्शन कुमार ने कमेंट करते हुए लिखा, ह्लवाह, झक्कास।ह्ल वहीं सुधांशु पांडे, रितेश देशमुख और अनुपम खेर ने भी अनिल कपूर के इस लुक की सराहना की। अब सवाल यह है कि अनिल कपूर ने यह ग्रे लुक क्यों अपनाया है? कुछ सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि यह लुक किसी अपकमिंग प्रोजेक्ट की तैयारी का हिस्सा हो सकता है, जबकि कुछ लोग इसे महज एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट मान रहे हैं। हालांकि, अनिल कपूर की ओर से अभी तक इस लुक के पीछे की असली वजह को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

रणवीर के बाद अब सनी देओल से भिड़ेंगे अक्षय खन्ना, फैमिली बिजनेस में आमने-सामने आए अनिल कपूर और विजय वर्मा

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने आज मंगलवार को एक

इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठ गया है। इसी के साथ यह भी पता चला है कि सनी देओल ओटीटी पर धाक जमाने आ रहे हैं। उनकी फिल्म 'इक्का' रिलीज होगी। इसमें वे वकील के रूप में नजर आएंगे।

सनी देओल से भिड़ेंगे अक्षय खन्ना

सनी देओल अभिनीत फिल्म 'इक्का' में अक्षय खन्ना भी

नजर आएंगे। फिल्म 'दामिनी' में सनी देओल ने वकील की भूमिका दमदार तरीके से अदा की। उनके डायलॉग आज भी दर्शकों की जुबान पर हैं। कुछ इसी अंदाज में एक बार फिर उन्हें देखा जा सकेगा। वहीं, 'धुरंधर' में रहमान डकैत की भूमिका से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अक्षय एक बार फिर नेगेटिव रोल में नजर आएंगे।

सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का टीजर जारी

नेटफ्लिक्स पर आज मंगलवार को सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का टीजर जारी किया गया है। इसमें विजय वर्मा और अनिल कपूर नजर आएंगे। रिया चक्रवर्ती भी सीरीज का हिस्सा हैं।

पैसे और पावर के लिए आमने-सामने अनिल कपूर और विजय वर्मा

अनिल कपूर की सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का निर्माण

विक्रम मल्होत्रा, हंसल मेहता और निरेन भट्ट ने मिलकर किया है। आज जारी टीजर काफी शानदार है। शुरूआत अनिल कपूर की एंट्री से होती है। वे बिजनेस मैन के रूप में जंच रहे हैं। अनिल कपूर जेह डावर का किरदार निभा रहे हैं। वहीं विजय उनके बेटे सिड मल्होत्रा के किरदार में हैं। सीरीज की कहानी कुछ इसी तर्ज पर है, जहां पैसों और पावर के लिए बाप-बेटे एक-दूसरे के आमने-सामने हो जाते हैं।

लंबे वक्त बाद नजर आएंगी रिया चक्रवर्ती

इस सीरीज में रिया चक्रवर्ती, नेहा धूपिया, राइमा सेन और नंदिश संधू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। रिया चक्रवर्ती लंबे वक्त बात एक्टिंग की दुनिया में उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

जेनेलिया-रितेश देशमुख ने एक-दूजे को दी शादी की 14वीं सालगिरह की बधाई

जेनेलिया देशमुख और रितेश देशमुख की आज शादी की सालगिरह है। इस खास मौके पर दोनों ने एक-दूजे पर जमकर प्यार बरसाया। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूजे के लिए प्यारा नोट भी लिखा है। तो वहीं रितेश ने एक मजेदार वीडियो शेयर किया है जेनेलिया का पोस्ट जेनेलिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी से लेकर हल्दी, सगाई तक की कई शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही जेनेलिया ने कैप्शन में लिखा, 'मैं तुमसे प्यार करती हूं आज, कल और हमेशा मेरे साथी।' इसके साथ ही जेनेलिया ने लाल दिल वाला इमोजी भी बनाया। जेनेलिया ने रितेश के लिए आगे लिखा, 'मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत अध्याय रहेगो। सालगिरह मुबारक हो रितेश।' राज कुंद्रा ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो, आप दोनों साथ में बहुत प्यारे लगते हैं, हमेशा खुश रहें', संजय कपूर ने लिखा, 'सालगिरह मुबारक हो दोस्तों' रितेश का खास वीडियो रितेश देशमुख ने इंस्टाग्राम पर जेनेलिया के साथ एक मजेदार वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में रितेश शाहरुख खान की फिल्म 'दिल तो पागल है' का गाना 'चाक धूम धूम चाक धूम धूम' गाते नजर आ रहे हैं। रितेश इस गाने की लाइन अपने और जेनेलिया के लिए गाते हैं, 'आगे है बरसात, पीछे है तूफान...' ऐसा इसलिए क्योंकि रितेश ने अपने लिए बरसात और जेनेलिया के लिए तूफान कहा है।

छात्राओं को दिव्यांगजनों, पिछड़े और आरक्षित छात्रों के लिए

लखनऊ,(संवाददाता)। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय के विकलांग विद्यार्थियों, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित समूह (एस ई डी जी एस) पर बने सेल एवं बी एड विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिव्यांगजन और अन्य वंचित समूह के लिए सरकारी नीतियां विषय पर प्रख्यात वक्ता जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉक्टर आकांक्षा दीक्षित की व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के माध्यम से छात्राओं को, दिव्यांगजनों, अन्य पिछड़े और आरक्षित छात्रों के लिए सरकार (यूपी और केंद्र) द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और नीतियों(पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना,शुल्क प्रतिपूर्ति योजना,शादी अनुदान योजना,कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना,छात्रावास निर्माण योजना,मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ,दिव्यांग पेंशन योजना,कृत्रिम अंग सहायक उपकरण योजना आदि)के बारे में जागरूक किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने अतिथि का स्वागत और अभिनंदन किया और भविष्य में इस प्रकार के कार्यक्रम करने पर जोर दिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया अतिथि का स्वागत बीएड विभाग की प्रोफेसर रशीदा खातून ने किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की डॉक्टर सोनल अग्रवाल ने सुचारू रूप से किया। कार्यक्रम को सफल एवं उपयोगी बनाने में रसायन विज्ञान विभाग की डॉक्टर ममता वर्मा, जंतु विज्ञान विभाग की विमला बिन्द, वनस्पति विज्ञान विभाग की डॉक्टर स्नेहा चौधरी का विशेष योगदान रहा। अंत में बीएड विभाग की प्रोफेसर सरिता कनौजिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में बी० एड० विभाग की प्रवक्ता प्रोफेसर निशी गुप्ता एवं डॉ मनीषा बड़ौनियाँ एवं महाविद्यालय की प्रवक्ताओं और छात्राओं की उपस्थित सराहनीय रही।

चार्ली किर्क की हत्या के वीडियो पर रोक की मांग बचाव पक्ष ने लगाया पक्षपात का आरोप

वॉशिंगटन। अमेरिका के सबसे प्रमुख रूढ़िवादी कार्यकताओं और मीडिया हस्तियों में से एक रहे चार्ली किर्क की हत्या के वीडियो पर रोक लगाने की मांग की गई है। 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 10 सितंबर 2025 को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वो अमेरिकी राजनीति में उभरते हुए सितारा थे। उनको अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का करीबी माना जाता था और अमेरिकी राइट विंग के प्रमुख नेता और टर्निंग पॉइंट यूएसए के मुखिया थे। किर्क जब आउटडोर इवेंट में हिस्सा ले रहे, जब उनको एक शख्स ने गोली मारी थी। गोलीकांड की वीडियो पर रोक की मांग रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के ग्राफिक वीडियो, जो कि यूनिवर्सिटी परिसर में उनकी रैली के दौरान बनाए गए थे। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए और लाखों लोगों ने उन्हें देखा। अब इस मामले में आरोपी व्यक्ति के वकीलों ने राज्य के एक न्यायाधीश से मांग की है कि मंगलवार (03 फरवरी) को होने वाली सुनवाई में ऐसे वीडियो दिखाने पर रोक लगाई जाए। दरअसल, बचाव पक्ष ने कोर्टरूम में टीवी और फोटोग्राफी कैमरों को भी बाहर रखने की अपील की है। उनका कहना है कि 'अत्यधिक पक्षपाती' मीडिया कवरेज से मामले पर असर पड़ सकता है और निष्पक्ष सुनवाई बाधित हो सकती है। हालांकि अभियोजकों और मीडिया संस्थानों के वकीलों ने जिला न्यायाधीश टोनी ग्राफ से कार्यवाही खुली रखने की मांग की है। इधर, कानूनी

विशेषज्ञों का कहना है कि बचाव पक्ष की चिंता वाजिब है। कॉर्नेल लॉ स्कूल की प्रोफेसर वैलेरी हैंस के अनुसार हाई-प्रोफाइल मामलों में मीडिया कवरेज संभावित जूरी सदस्यों को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा, 'जब जूरी पहले से ही मीडिया से मिली जानकारी लेकर अदालत में आती है, तो वह अदालत में पेश किए गए सबूतों को उसी नजरिए से देखने लगती है। आरोपी टायलर रॉबिन्सन के खिलाफ कड़ी सजा की मांग बता दें कि अभियोजक 22 वर्षीय आरोपी टायलर रॉबिन्सन के खिलाफ मौत की सजा की मांग कर रहे हैं। उस पर 10 सितंबर 2025 को ओरेम स्थित यूटा वैली यूनिवर्सिटी परिसर में चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। इस रैली में करीब 3,000 लोग मौजूद थे। किर्क ह्यटर्निंग पॉइंट यूएसएह्व के सह-संस्थापक थे और उन्होंने युवाओं को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पक्ष में वोट देने के लिए प्रेरित किया था। दरअलस, मृत्युदंड पाने के लिए अभियोजकों को यह साबित करना होगा कि अपराध 'विशेष रूप से क्रूर या जघन्य' था। इसी संदर्भ में ग्राफिक वीडियो अहम भूमिका निभा सकते हैं। प्रोफेसर हैंस ने कहा, 'ऐसे वीडियो देखने के बाद लोग सोच सकते हैं कि यह अपराध वाकई बेहद क्रूर था।' बचाव पक्ष ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ मीडिया संस्थान अदालत में आरोपी और उसके वकीलों के बीच की बातचीत को 'लिप रीडिंग' के जरिए समझने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले 16 जनवरी की सुनवाई में एक टीवी कैमरा ऑपरेटर द्वारा आरोपी के चेहरे पर जूम करने पर न्यायाधीश को हस्तक्षेप करना पड़ा और आगे की रिकॉर्डिंग रोक दी गई। गोलीकांड के वीडियो में क्या है? बचाव पक्ष ने अदालत में कहा, 'मीडिया अब सच्चाई दिखाने के बजाय इस मामले से मुनाफा कमाने वाला निवेशक बन गया है।' वहीं अभियोजकों का कहना है कि जनता की रुचि के कारण अदालत की पारदर्शिता कम नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि यह मामला सार्वजनिक रहेगा और इसे खुली कार्यवाही के साथ ही चलाया जाना चाहिए। अभियोजन पक्ष के अनुसार एक वीडियो में गोली लगते हुए, किर्क की गर्दन से खून निकलते और उन्हें कुर्सी से गिरते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

कनाडा के सरे शहर में गोलीबारी के आरोप में तीन भारतीय गिरफ्तार आरोपियों के वीजा की जांच शुरू

ओटावा। कनाडा पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी करने वाले अधिकारी 'प्रोजेक्ट एश्योरेंस' का हिस्सा थे। ये दल उन इलाकों में गश्त करता है, जहां जबरन वसूली से जुड़ी हिंसा की

घटनाएं सामने आई हैं। सरे पुलिस ने बताया कि हाल के महीनों में इलाके में घरों और व्यवसायिक परिसरों पर गोलीबारी की घटनाएं बढ़ी हैं और नए साल के बाद इनमें और इजाफा हुआ है। कनाडा के सरे शहर में एक घर के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद तीन भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। कनाडाई पुलिस के अनुसार आरोपियों को रंगदारी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पकड़ा गया। सरे पुलिस सेवा ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि हरजोत सिंह (21), तरणवीर सिंह (19) और दयाजीत सिंह बिलिंग (21) पर एक-एक मामले में हथियार से गोलीबारी करने का आरोप लगाया गया है। तीनों को हिरासत में भेज दिया गया है और वे 5 फरवरी 2026 तक रिमांड पर रहेंगे। घर के बाहर गोली चलने और आग की सूचना पर पुलिस ने की कार्रवाई पुलिस के अनुसार, 1 फरवरी 2026 की सुबह सरे के क्रेसेंट बीच इलाके में क्रेसेंट रोड और 132 स्ट्रीट के पास एक घर के बाहर गोली चलने और छोटी आग लगने की सूचना मिली थी। इसके कुछ ही समय बाद गश्ती दल ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच अब सरे पुलिस की मुख्य अपराध शाखा कर रही है। तीनों आरोपियों पर कनाडा के आपराधिक संहिता की धारा 244.2(1)(ं) के तहत किसी स्थान पर गोली चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है और आगे और आरोप भी लगाए जा सकते हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी सरे पुलिस ने पुष्टि की है कि तीनों आरोपी विदेशी नागरिक हैं और इस मामले में कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) को भी शामिल किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के वीजा या आव्रजन स्थिति की भी जांच की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारी के दौरान एक आरोपी को चोटें आईं, जिनमें दोनों आंखों के नीचे सूजन शामिल है। सरे पुलिस की स्टाफ सार्जेंट लिंडसे हॉटन ने बताया कि एक आरोपी ने राइड-शेयर वाहन से बाहर आने के निर्देशों का पालन नहीं किया और सक्रिय रूप से विरोध किया, जिसके बाद उसे जमीन पर गिराकर सुरक्षित रूप से हथकड़ी लगाई गई। उन्होंने बताया कि दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी, क्योंकि उसने भी निर्देशों का पालन नहीं किया।

शांति वार्ता से पहले रूस का यूक्रेन पर भीषण हमला 70 मिसाइलें-450 ड्रोन से बरपाया कहर

कीव। जेलेंस्की ने मंगलवार को बताया कि रूस ने यूक्रेन पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। इस हमले में बिजली केंद्रों को निशाना बनाया गया, जिससे कड़ाके की ठंड

में हजारों लोग बिना बिजली और हीटिंग के रहने को मजबूर हैं। जेलेंस्की ने इसे रूस की डराने वाली नीति बताते हुए दुनिया से मदद मांगी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर एक बहुत बड़ा हमला किया है। इस दौरान रूस ने लगभग 450 लंबी दूरी के ड्रोन और 70 अलग-अलग तरह की मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दोनों देश संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में शांति वार्ता करने वाले हैं। अमेरिका की मध्यस्थता में होने वाली इस बातचीत का मकसद चार साल से चल रहे युद्ध को रोकना है। क्या बोले जेलेंस्की? जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने यूक्रेन के पांच राज्यों में बिजली ग्रिड को निशाना बनाया। कड़ाके की ठंड के बीच रूस का मकसद नागरिकों को बिजली, पानी और हीटिंग से महरूम रखना है। इस हमले में दस लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस कूटनीति के बजाय लोगों को डराने में ज्यादा यकीन रखता है। उन्होंने अपने सहयोगियों से और ज्यादा सुरक्षा उपकरण भेजने और रूस पर दबाव बनाने की अपील की है, ताकि इस युद्ध को खत्म किया जा सके। हमले में पावर ग्रिड को पहुंचा नुकसान अबू धाबी में बुधवार और गुरुवार को बातचीत होनी है। हालांकि ट्रंप प्रशासन जमीन के कब्जे जैसे बड़े मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन फिलहाल कोई बड़ा समझौता मुश्किल लग रहा है। यूक्रेन की सबसे बड़ी बिजली कंपनी डीटीईके ने बताया कि हमले में उनके पावर प्लांट को काफी नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने क्या कहा? अधिकारियों ने कहा कि राज्य आपातकालीन सेवा के अनुसार, राजधानी कीव में पांच लोग घायल हुए हैं। वहां कई घरों, एक स्कूल और गैस स्टेशन को नुकसान पहुंचा और उसमें आग लग गई। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की वजह से 1,170 इमारतों में हीटिंग की सुविधा बंद हो गई है। फिलहाल मरम्मत का काम तेजी से चल रहा है। कुछ अपार्टमेंट और बिल्डिंग को छोड़कर बाकी सभी जगहों पर बिजली बहाल कर दी गई थी। मंत्री की हमले की निंदा रूस ने खारकीव और ओडिसा जैसे इलाकों को भी निशाना बनाया है, जहां लोगों के घायल होने की खबर है। यूक्रेन की संस्कृति मंत्री टेटियाना बेरेजना ने बताया कि कीव में एक ऐतिहासिक संग्रहालय को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने इसे रूस की निंदनीय हरकत बताया।

तीन दिवसीय अमेरिका दौरे पर एअट जयशंकर रुबियो से मुलाकात और अहम बैठकों में करेंगे शिरकत

न्यूयॉर्क। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अमेरिका की तीन दिन की सरकारी यात्रा पर हैं। वे वॉशिंगटन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो की तरफ से आयोजित दुर्लभ खनिजों से संबंधित मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल होंगे और अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को वॉशिंगटन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका के बीच एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की है। जयशंकर 2 से 4 फरवरी तक अमेरिका के दौरे पर हैं। इस दौरान वह बुधवार को होने वाली पहली क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक में हिस्सा लेंगे, जिसकी मेजबानी मार्को रुबियो कर रहे हैं। इस बैठक का मकसद अहम खनिजों (जैसे लिथियम, कोबाल्ट आदि) की सप्लाई चेन को मजबूत और

सुरक्षित बनाना है, जो नई तकनीक, आर्थिक मजबूती और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। व्यापार समझौते से भारत को बड़ा फायदा इस मुलाकात से ठीक एक दिन पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बताया कि भारत और अमेरिका के बीच समझौता हुआ है। इसके तहत भारत पर लगने वाला अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ 25% से घटाकर 18% कर दिया गया है। इससे भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में बड़ी राहत मिलेगी। पीएम मोदी ने फैसले का किया स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि 'मेड इन इंडिया उत्पादों पर 18 प्रतिशत टैरिफ भारत के 1.4 अरब लोगों के लिए अच्छी खबर है। इसके लिए राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद।' उन्होंने यह भी कहा कि दोनों बड़े लोकतंत्र जब साथ काम करते हैं, तो इससे दुनिया को फायदा होता है और शांति-समृद्धि को बढ़ावा मिलता है। क्रिटिकल मिनरल्स पर वैश्विक सहयोग अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक, यह पहली क्रिटिकल मिनरल्स मिनिस्टीरियल बैठक देशों के बीच सहयोग को नई दिशा देगी। इसमें सप्लाई चेन को विविध और भरोसेमंद बनाने पर जोर होगा। इस बैठक में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, मार्को रुबियो समेत कई वरिष्ठ अधिकारी शुरूआती संबोधन देंगे। अमेरिका और भारत के हालिया संबंध को देखते हुए जयशंकर-रुबियो की यह मुलाकात और नया व्यापार समझौता भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

पश्चिम एशिया से दिल्ली आएंगे राष्ट्रपति निकोस भारत-साइप्रस संबंध पर जोर

साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स मई के अंतिम सप्ताह में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ सकते हैं। उनका यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेंगा। इसके साथ ही अगले महीने में साइप्रस के विदेश मंत्री भी भारत आ सकते हैं। साइप्रस के

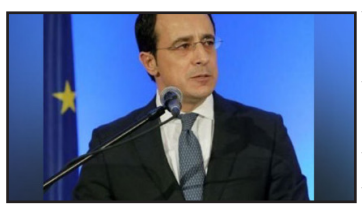

राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स मई के अंतिम सप्ताह में भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। भारत में साइप्रस के उच्चायुक्त इवागोरस व्रायोनाइड्स ने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेंगा। अगले महीने साइप्रस के विदेश मंत्री भारत आएंगे साइप्रस द्वारा यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता शुरू करने के अवसर पर पीटीआई वीडियो से बात करते हुए, व्रायोनाइड्स ने कहा कि उच्च स्तरीय बैठकों की एक श्रृंखला दोनों पक्षों के बीच गहरी होती साझेदारी को दिखाती है। उन्होंने घोषणा कि साइप्रस के विदेश मंत्री अगले महीने भारत की यात्रा करने वाले हैं, जिसके बाद मई में राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स की यात्रा होगी। उच्चायुक्त ने कहा, ₹काफी गतिविधियां हो रही हैं। इसके साथ ही कई द्विपक्षीय दौरे हो रहे हैं, जो साइप्रस और भारत के बीच मजबूत प्रतिबद्धता और राजनीतिक जुड़ाव को स्पष्ट रूप से दशार्ते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के पिछले साल के यात्रा का जिक्र किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले साल जून में साइप्रस यात्रा का जिक्र करते हुए, व्रायोनाइड्स ने कहा कि यात्रा के दौरान एक संयुक्त कार्य योजना पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें अगले पांच वर्षों में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई थी।वउन्होंने कहा, ₹इन क्षेत्रों में पर्यटन, वाणिज्य, शिक्षा, डेस्टिनेशन वेडिंग, फिल्म उद्योग और रक्षा शामिल हैं।₹ साइप्रस ने 2026 के पहले छह महीनों के लिए यूरोपीय संघ परिषद की अध्यक्षता ग्रहण की। व्रियोनिड्स ने कहा ह्महमारा मुख्य विषय स्वायत्तता है, रक्षा में स्वायत्तता, व्यापार में स्वायत्तता और सामाजिक मुद्दों में स्वायत्तता। साइप्रस इन सभी प्राथमिकताओं को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम करेगा।ह्व उन्होंने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (क्टएउ) के रणनीतिक महत्व पर भी जोर दिया। इसे ₹भारत और यूरोप के बीच संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से सबसे आशाजनक भू-रणनीतिक पहल₹ बताया। व्रायोनाइड्स ने कहा कि साइप्रस भूमध्यसागरीय क्षेत्र के साथ-साथ गाजा, यूक्रेन, वेनेजुएला, ग्रीनलैंड और दुनिया के अन्य हिस्सों में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है।

तुर्किये की मध्यस्थता पर क्या बोले ईरानी राष्ट्रपति? ईरान-अमेरिका वार्ता पर मिले सकारात्मक संकेत

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत के संकेत दिए हैं। उन्होंने विदेश मंत्री को निर्देश दिया कि वे बिना किसी धमकी और दबाव के गरिमा के साथ चर्चा करें। तुर्की इस वार्ता की मेजबानी कर सकता है, हालांकि अमेरिका ने अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा हमने अपने विदेश मंत्री को अमेरिका के साथ निष्पक्ष और न्यायसंगत बातचीत शुरू करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रपति का यह बयान ईरान की ओर से स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। कि ईरान तुर्किये के आयोजित मध्यस्थता बातचीत में हिस्सा ले सकता है। तेहरान की ओर से यह पहला साफ संकेत है कि वह तनाव कम करने के लिए चर्चा करना चाहता है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच पिछले कुछ महीनों से काफी कड़वाहट बनी हुई है। जानकारों का मानना है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन को इस पहल के लिए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का समर्थन मिला है। तुर्की इस बातचीत को मुमकिन बनाने के लिए पर्दे के पीछे से कोशिश कर रहा है। इसी बीच अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ भी मध्य-पूर्व के दौरे पर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा है कि वह समझौता चाहते हैं, लेकिन उन्होंने अपनी मांगों में ईरान के परमाणु कार्यक्रम को भी शामिल कर लिया है। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह फैसला क्षेत्र की मित्र सरकारों के अनुरोध पर लिया गया है। उन्होंने शर्त रखी है कि बातचीत का माहौल धमकियों और अनुचित उम्मीदों से मुक्त होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि यह चर्चा सम्मान और समझदारी के सिद्धांतों पर आधारित हो। हालांकि, अमेरिका ने अभी तक आधिकारिक तौर पर बातचीत की पुष्टि नहीं की है। ईरान के शीर्ष सलाहकार अली शमखानी ने एक इंटरव्यू में बताया कि शुरूआत में बातचीत अप्रत्यक्ष तरीके से होगी। अगर समझौते की उम्मीद दिखी, तो सीधी बातचीत भी की जा सकती है। उन्होंने साफ किया कि यह चर्चा मुख्य रूप से परमाणु मुद्दों पर केंद्रित रहेगी। शमखानी ने रूस को अपना यूरेनियम देने के विचार को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहता, लेकिन इसके बदले उसे सही कीमत मिलनी चाहिए। दूसरी तरफ, इजरायल इस संभावित समझौते पर कड़ी नजर रखे हुए है। अमेरिकी दूत विटकॉफ इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद प्रमुख से मुलाकात करेंगे। इजरायल चाहता है कि किसी भी समझौते में ईरान से यूरेनियम हटाना, मिसाइल निर्माण रोकना और उसके समर्थक गुटों की मदद बंद करना शामिल हो। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो स्थिति और खराब हो सकती है। वहीं, इस मामले पर पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो को किसी स्थायी समाधान की उम्मीद कम ही नजर आती है।

क्या भारत बंद करेगा रूसी तेल खरीद? ट्रंप के एलान पर रूस बोला- नई दिल्ली से नहीं मिला कोई इशारा

मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को भारत के साथ एक व्यापार समझौते का एलान किया। ट्रंप ने अपने पोस्ट में कहा कि इस व्यापार समझौते के तहत भारत की रूस से तेल की खरीद बंद करने और व्यापार बाधाओं को कम करेगा। ट्रंप ने कहा कि इसके बदले में भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते का एलान कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने टैरिफ घटाकर 18 फीसदी कर दिया है। इस मामले पर अब रूस का बयान भी सामने आ गया है। क्रेमलिन ने मंगलवार को कहा कि उसे भारत से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ व्यापार समझौते की घोषणा के बाद वह रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा। डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार समझौते के एलान के साथ कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टैरिफ में ढील देने के समझौते के तहत रूसी तेल खरीदना बंद करने का वादा किया है। इस पर क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एएफपी से बातचीत में कहा, 'अभी तक हमें इस मामले पर नई दिल्ली से कोई बयान नहीं मिला है।' रूस-भारत की साझेदारी के विकास को भी देते हैं महत्व :क्रेमलिन न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस भारत के साथ संबंधों पर ट्रंप की टिप्पणियों का सावधानीपूर्वक विश्लेषण कर रहा है। पेस्कोव ने पत्रकारों से कहा, 'हम अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं। लेकिन हम रूस और भारत के बीच एक उन्नत रणनीतिक साझेदारी के विकास को भी उतना ही महत्व देते हैं।

व्हाइट हाउस में आज ट्रंप-कोलंबियाई राष्ट्रपति की मुलाकात; कुछ दिन पहले बताया था बीमार आदमी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो के बीच आज व्हाइट हाउस में मुलाकात होगी। हालांकि यह साफ नहीं है कि ट्रंप-पेट्रो बैठक कैमरों के सामने होगी या नहीं। ट्रंप पहले भी व्हाइट हाउस में विदेशी नेताओं के सामने सख्त रुख अपना चुके हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो की व्हाइट हाउस में मेजबानी करने जा रहे हैं। यह मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब कुछ ही हफ्ते पहले ट्रंप ने पेट्रो को 'बीमार आदमी' कहा था और उन पर अमेरिका में ड्रग्स भेजने के आरोप लगाए थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा और नशा तस्करी रोकने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिए कि वे पेट्रो के रवैये में नरमी देख रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला में हालिया अमेरिकी कार्रवाई के बाद पेट्रो का रवैया 'काफी बदल गया' है। ट्रंप रूढ़िवादी तो वामपंथी नेता हैं पेट्रो हालांकि, दोनों नेताओं के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। ट्रंप रूढ़िवादी विचारधारा के हैं, जबकि पेट्रो वामपंथी नेता हैं। दोनों की बयानबाजी अक्सर तेज और अप्रत्याशित रहती है, इसलिए इस मुलाकात को लेकर भी 'कुछ भी हो सकता है' जैसी स्थिति बनी हुई है। गुस्तावो पेट्रो ने हाल के दिनों में भी ट्रंप की आलोचना जारी रखी है। उन्होंने गाजा को लेकर ट्रंप पर कड़े आरोप लगाए और वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को 'अपहरण' बताया। वॉशिंगटन रवाना होने से पहले पेट्रो ने कोलंबिया की राजधानी बोगोटा में अपने समर्थकों से प्रदर्शन करने की अपील भी की। अमेरिका-कोलंबिया रिश्तों में बदलाव परंपरागत रूप से कोलंबिया अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।